दैनिक
बढ़ता राजस्थान
संस्करण:टोंक,जयपुर, अलवर एवं कोटा
• Since : 2004 /// कदम बढ़ाएं, सच के साथ ///
वर्ष : 12 | अंक : 200 | टोंक | बुधवार,25 मार्च, 2025 | चैत्र, कृष्ण पक्ष द्वादशी संवत्-2081 | भारत सरकार से विज्ञापनों के लिए स्वीकृत | मूल्य :₹ 4.00 | पृष्ठ : 08
www.badhatarajasthan.in badhatarajasthan@yahoo.com badhatarajasthan.dainik badtarajasthan

मौसम जयपुर

36.0° अधिकतम तापमान | 22.0° न्यूनतम तापमान

बाजार शेयर बाजार

सेंसेंक्स | 78,017.19
+32.80 (0.042%)

निफ्टी | 23,668.65
+10.30 (0.044%)

सर्राफा सोना/चांदी

सोना | 90,280 /10g

चांदी | 1,01,000 /Kg

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट ने अवमानना याचिका पर 2 आईएएस को कोर्ट बुलाया

कहा-आदेशों की पालना न करना अधिकारियों की गंभीर प्रवृत्ति, इससे न्यायालय के प्रति विश्वास खत्म होता है

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी पर सवाल उठाते हुए 2 आईएएस भवानी सिंह देथा और शुचि त्यागी सहित एक अन्य अधिकारी को हाईकोर्ट में तलब किया है। जस्टिस उमाशंकर व्यास की अदालत ने कहा- क्या सीनियर अधिकारी कोर्ट के आदेश के बिना अदालत के आदेशों की पालना करेंगे ही नहीं। अधिकारियों की यह प्रवृत्ति अत्यधिक गंभीर हैं। कोर्ट ने ये आदेश करियर एडवांसमेंट स्कीम के अंतर्गत लेक्चरर (याचिकाकर्ता) की पुरानी सेवा को सेवा लाभ में नहीं जोड़ने की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

कोर्ट ने कहा कि अधिकारियों की इस तरह की प्रवृत्ति से ना केवल न्यायालय की गरिमा प्रभावित होती है। बल्कि न्याय की उम्मीद में आने वाले लोगों का विश्वास भी समाप्त होता है।

राजस्थान से पहले हरियाणा में सेवाएं दी थी-याचिकाकर्ता के वकील अजय चौधरी ने बताया कि डॉ. डीसी डूडी गवर्नमेंट कॉलेज सांभर लेक में लेक्चरर के पद पर कार्यरत हैं। यहां नियुक्ति से पहले वे हरियाणा में लेक्चरर थे। साल 1998 में उनका सिलेक्शन राजस्थान में हो गया था। लेकिन, विभाग ने करियर एडवांसमेंट स्कीम के तहत उनकी पुरानी सेवा को सेवा लाभ में नहीं जोड़ा। ऐसे में उन्हें बढ़े हुए वेतनमान मिलने में डेढ़ साल की देरी हुई। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की एकलपीठ ने 5 मई 2022 को डॉ. डूडी के पक्ष में फैसला दिया था।

राजस्थान दिवस कार्यक्रम श्रृंखला-बाड़मेर में राज्यस्तरीय महिला सम्मेलन

सरकार के लिए महिला सशक्तीकरण सर्वोच्च प्राथमिकता : सीएम शर्मा

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे देश और प्रदेश का इतिहास वीरता और त्याग से भरा हुआ है। कालीबाई भील, रानी पद्मिनी, मीराबाई, पन्नाधाय और अमृता देवी जैसी महान महिलाओं ने अपनी शक्ति, सामर्थ्य और दृढ़ संकल्प का परिचय देकर अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कहा कि परिवार की नींव को मजबूत करने वाली महिलाएं हमारे समाज की धुरी हैं। हमारी डबल इंजन की सरकार महिलाओं के उत्थान एवं कल्याण के लिए कृतसंकल्पित होकर कार्य कर रही है और आधी आबादी को हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बना रही है। शर्मा मंगलवार को बाड़मेर के आदर्श स्टेडियम में राजस्थान दिवस समारोह के तहत आयोजित महिला सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि गौरवशाली सनातन संस्कृति को सम्मान देते हुए इस बार राजस्थान दिवस अंग्रेजी कलैण्डर के स्थान पर भारतीय पंचाग की तिथि नव संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा (30 मार्च) को मनाया जा रहा है। इसी दिन सरदार वल्लभभाई पटेल ने रियासतों को मिलाते हुए राजस्थान की स्थापना की थी। इस वर्ष भी रेवती नक्षत्र इंद्रयोग का वही संयोग बन रहा है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में नारी को नारायणी का दर्जा प्राप्त है। नारी का सम्मान समाज और देश-प्रदेश के विकास की पहली सीढ़ी है, इसीलिए राजस्थान दिवस समारोह का पहला कार्यक्रम हमने मातृशक्ति को समर्पित किया है।

मुख्यमंत्री ने आधी आबादी को दी बड़ी सौगातें : मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने महिला सम्मेलन में विभिन्न योजनाओं की चयनित लाभार्थियों से संवाद किया और योजनान्तर्गत देय सहायता से लाभान्वित किया। मुख्यमंत्री ने अति कुपोषित बच्चों के लिए टेक होम राशन में दूध 15 ग्राम से 25 ग्राम देने हेतु दिशा-निर्देश जारी किए।

बालिकाओं को 5 हजार स्कूटियों का वितरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं तथा साथिन बहनों के मानदेय में 10 प्रतिशत बढ़ोतरी भी की है। वहीं अब लखपति दीदी की श्रेणी में आने वाली स्वयं सहायता समूह की सदस्यों को ढाई प्रतिशत के बजाय डेढ़ प्रतिशत ब्याज दर पर एक लाख रुपये तक का ऋण उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज देवनारायण छात्रा स्कूटी एवं प्रोत्साहन राशि योजना तथा कालीबाई भील मेधावी छात्रा स्कूटी योजना के तहत 5 हजार स्कूटी एवं प्रोत्साहन राशि का वितरण किया गया है। योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित बालिकाओं को उन्होंने बधाई दी। श्री शर्मा ने कहा कि कहा कि किशनगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल के माध्यम से प्रदेश की बेटियों को पायलट बनाया जा रहा है। भीलवाड़ा के हमीरगढ़ में फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल जल्द शुरू होने जा रहा है। प्रतापगढ़, झालावाड़ और झुंझुनूं में भी फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूलों की स्थापना के लिए एमओयू हो चुके हैं।

1 करोड़ 10 लाख परिवारों को 200 करोड़ की राशि का हस्तांतरण

शर्मा ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों को रोकने के लिए हमने सरकार बनते ही सबसे पहले एंटी रोमियो स्क्वॉड का गठन किया। साथ ही, बालिकाओं को शिक्षा एवं संबल उपलब्ध कराने के लिए लाडो प्रोत्साहन योजना लागू की। अब इसके तहत गरीब परिवार की बालिकाओं के जन्म पर एक लाख के स्थान पर डेढ़ लाख रुपये का सेविंग बॉण्ड मिलेगा। आज कार्यक्रम में 30 हजार लाभार्थियों को 7.50 करोड़ रूपये की सहायता प्रदान की गई। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जरूरतमंद महिलाओं को 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध करवा रही है। आज हमने 1 करोड़ 10 लाख परिवारों को 200 करोड़ की राशि का हस्तांतरण किया है।

वंचित, महिला, बुजुर्ग और दिव्यांगों के कल्याण को समर्पित हमारा बजट –

शर्मा ने कहा कि बजट 2025-26 में हमने वंचित वर्गों, महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगों के लिए संचालित आवासीय संस्थानों का मैस भत्ता बढ़ाकर 3 हजार 250 रुपये प्रतिमाह कर दिया है। सभी संभागीय मुख्यालयों पर 50 बेड़ के सरस्वती हाफ वे होम्स के माध्यम से बालिका गृहों में निवास करने वाली बालिकाओं के 18 वर्ष की होने के बाद भी उन्हें हैंड होल्डिंग की जरूरत होने पर सुविधा भी दी जाएगी। श्री शर्मा ने कहा कि नारी उत्थान के लिए प्रदेश में 10 जिला मुख्यालयों पर बालिका देखभाल संस्थान की स्थापना, नवगठित नगरीय निकायों सहित अन्य क्षेत्रों में महिलाओं हेतु 500 पिंक टॉयलेट का निर्माण, हर ब्लॉक पर रानी लक्ष्मी बाई केंद्र की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि सोलर दीदी के रूप में नया कैडर बनाकर आगामी वर्ष पहले चरण में स्वयं सहायता समूह की 25 हजार महिलाओं को सोलर दीदी के रूप में प्रशिक्षित किया जाएगा। साथ ही, राज्य के आंगनबाड़ी केंद्रों पर गर्भवती महिलाओं को अंतिम 5 महीनों में अतिरिक्त पोषण के लिए मुख्यमंत्री सुपोषण न्यूट्री किट योजना प्रारंभ की जा रही है।

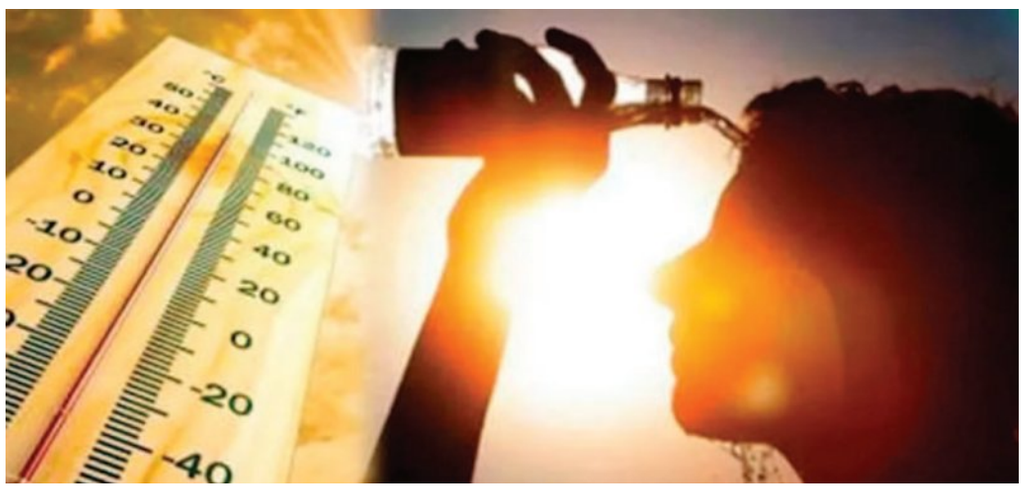

मार्च में पारा 41° पार

सक्रिय हुआ नया सिस्टम, तेज हवा के साथ बारिश के आसार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। मार्च में ही राजस्थान का तापमान 41 के पार चला गया है। जून जैसी गर्मी का एहसास होने लगा है। अभी से लू के थपेड़े चल रहे हैं। जोधपुर, जैसलमेर, बाड़मेर सहित तमाम जिलों में गर्मी अभी से परेशान करने लगी है। उधर, मौसम विभाग ने आज (मंगलवार) शाम से 27 मार्च तक प्रदेश के मौसम में बदलाव के संकेत दिए हैं। प्रदेश में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होगा। इससे कुछ इलाकों में मामूली बारिश के साथ तेज हवाओं का दौर देखने को मिल सकता है। इससे तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट हो सकती है।

बाड़मेर सबसे गर्म रहा

सोमवार को (24 मार्च) को प्रदेश के अधिकतम तापमान में 1 से 3.3 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी हुई है। बाड़मेर जिला प्रदेश में सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 48 घंटों में प्रदेश का मौसम ड्राय रहने के साथ ही सीमावर्ती जिलों में बादलों की आवाजाही देखने को मिल सकती है।

जयपुर में साफ रहा मौसम

प्रदेश में पिछले 24 घंटे में अधिकांश शहरों में तेज धूप रही। जयपुर में सोमवार को तेज धूप के साथ दिनभर आसमान साफ रहा। इससे दिन में अधिकतम तापमान बढ़कर 36.9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसके साथ ही जालोर में भी तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। जैसलमेर में तापमान 40, डूंगरपुर में 39, बीकानेर में 39.4, जोधपुर में 39.3, चित्तौड़गढ़ में 39.2 और कोटा में 37.3 डिग्री सेल्सियस रहा।

फाइनेंस बिल-2025 पैंतीस बदलावों के साथ लोकसभा में पास

ऑनलाइन विज्ञापनों पर 6% डिजिटल टैक्स खत्म

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली। लोकसभा में मंगलवार को फाइनेंस बिल-2025 पैंतीस बदलावों के साथ पास हो गया। इनमें ऑनलाइन विज्ञापनों पर 6% डिजिटल टैक्स खत्म करना शामिल है।

अब इसे राज्यसभा में पेश किया जाएगा। राज्यसभा से मंजूरी के बाद 2025-26 के लिए बजट प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इस साल सरकार ने कुल 50.65 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया था। यह चालू वित्त वर्ष से 7.4% ज्यादा है। बजट दस्तावेजों के अनुसार 1 अप्रैल, 2025 से शुरू होने वाले वित्त वर्ष में केंद्र की योजनाओं के लिए 5.42 लाख करोड़ रुपए रखे गए हैं। वहीं, राज्यों को दी जाने वाली कुल राशि 25.01 लाख करोड़ रुपए है, जो 2023-24 से 4.92 लाख करोड़ रुपए ज्यादा है।

अगले वित्त वर्ष के लिए राजकोषीय घाटा 4.4% रहने का अनुमान है, जबकि चालू वित्त वर्ष में यह 4.8% था। वहीं, जीडीपी 356.98 लाख करोड़ रुपए अनुमानित है।

यह नेशनल स्टेटिस्टिकल ऑफिस के चालू वित्त वर्ष 2024-25 के संशोधित अनुमान 324.11 लाख करोड़ रुपए से 10.1% ज्यादा है।

दिल्ली में पहली बार 1 लाख करोड़ का बजट

आप ने शीशमहल बनाए, हम गरीबों के घर बनाएंगे : सीएम रेखा

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को पहली बार 1 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया। महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके जरिए दिल्ली की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपए दिए जाएंगे। यमुना और सीवेज की सफाई के लिए 9 हजार करोड़ रुपए का बजट है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आयुष्मान योजना के लिए 2144 हजार करोड़ का बजट रखा है। केंद्र सरकार से 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज तो मिलेगा ही। साथ ही दिल्ली सरकार भी इसमें अपनी ओर से 5 लाख रुपए जोड़ रही है। यानी आयुष्मान योजना के तहत 10 लाख का इलाज मुफ्त मिलेगा। रेखा गुप्ता ने कहा-आप ने अपना शीश महल बनवाया, हम गरीबों के घर बनाएंगे। आपने लाखों रुपए के टॉयलेट बनवाए, हम झुग्गी वालों के लिए शौचालय बनवाएंगे। उन्होंने कहा- केजरीवाल ने अपने फायदे के लिए आयुष्मान योजना दिल्ली में लागू नहीं होने दी। वे चाहते थे कि योजना में उनका भी नाम चलाया जाए, ताकि उनका प्रचार हो। उनकी जिद की वजह से दिल्ली वासियों को सालों तक योजना का लाभ नहीं मिला। रेखा गुप्ता ने मातृत्व वंदन परियोजना के लिए 210 करोड़ रुपए का प्रावधान किया। योजना के तहत गर्भवती महिलाओं को एकमुश्त 21 हजार रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा दिल्ली में महिला सुरक्षा के लिए 50 हजार अतिरिक्त कैमरे लगाए जाएंगे।

पीएम और एलजी से विवाद पर

आप और हम में बहुत फर्क है। आप केवल वादा करते थे और हम वादा निभाते हैं। आप पीएम और एलजी को गालियां देते थे, हम मिलकर काम करेंगे। आपने लाखों रुपए के टॉयलेट बनवाए, हम झुग्गी वालों के लिए शौचालय बनवाएंगे। रेखा गुप्ता ने बजट सत्र के पहले दिन सोमवार को दिल्ली ट्रांसपोर्ट को-ऑपरेशन के कामकाज पर कैग रिपोर्ट सदन में पेश की। इसके बाद भाजपा विधायक हरीश खुराना नेआप सरकार पर डीटीसी के कुप्रबंधन का आरोप लगाया। खुराना ने कहा कि डीटीसी की देनदारियां 2015-16 में 28,263 करोड़ रुपए से बढ़कर 2021-22 में 65,274 करोड़ रुपए हो गईं।

दिल्ली को लंदन बनाने के वादे पर : रेखा

एक समय दिल्ली के मालिक (केजरीवाल) ने दिल्ली वासियों को सपना दिखाया था कि वो दिल्ली को लंदन बना देंगे। लेकिन टूटी सड़कें, ट्रैफिक जाम, अधूरे प्रोजेक्ट ने इस महानगर को एक अराजक राजधानी बना दिया।

आयुष्मान योजना को लागू नहीं करने पर : रेखा

केजरीवाल ने अपने फायदे के लिए आयुष्मान योजना दिल्ली में लागू नहीं होने दी। वे चाहते थे कि योजना में उनका भी नाम चलाया जाए, ताकि उनका प्रचार हो। उनकी जिद की वजह से दिल्ली वासियों को सालों तक योजना का लाभ नहीं मिला।

सम्पादकीय

रक्षा बाजार में हमेशा विक्रेताओं का दबदबा

मार्केटिंग क्षेत्र के शुरुआती गुरु कहलाने वाले जॉन वानामेकर ने मार्केटिंग प्रबंधन पर जोर देकर कारोबार के तरीकों में क्रांति ला दी। उन्होंने 'कस्टमर इज किंग' यानी 'ग्राहक ही भगवान है' का सिद्धांत दिया और ग्राहकों के इर्द-गिर्द ही नीतियां बनाईं, जिन्होंने आधुनिक व्यवसाय की सूरत ही बदल डाली। उनका फलसफा कहता है कि ग्राहक और उसकी ताकत ही कारोबार को सफल बना सकती है और बाजार की चाल पर सबसे ज्यादा असर ग्राहकों का ही होता है। मगर रक्षा बाजार में यह फलसफा न के बराबर चलता है क्योंकि वहां विक्रेता का ही दबदबा होता है और सौदे उनकी ही शर्तों पर होते हैं। रक्षा बाजार में उत्पादों के दाम बहुत अधिक होते हैं फिर भी चलती विक्रेताओं की ही है। दूसरे क्षेत्रों में महंगे उत्पाद बनाने वाले खरीदारों को लुभाने के लिए मार्केटिंग पर बहुत खर्च करते हैं मगर रक्षा बाजार में उपकरण विनिर्माता और देश न केवल तकनीक पर अपना कब्जा रखते हैं बल्कि संस्थागत ढांचा बनाकर तय भी करते हैं कि किसको क्या बेचा जाएगा। उदाहरण के लिए अमेरिका ने रक्षा एवं दोहरे इस्तेमाल वाली तकनीकों के व्यापार पर नियंत्रण के लिए इंटरनैशनल ट्रैफिक इन आर्म्स रेग्युलेशंस (इटार) और एक्सपोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन (इयर) जैसी व्यवस्थाएं बनाई हैं। इयर के अंतर्गत निर्यात की कुछ श्रेणियां बनाई गई हैं। पहली श्रेणी में बाधारहित वस्तुओं एवं ठिकानों के लिए लाइसेंस की जरूरत नहीं होती। दूसरी श्रेणी में नियंत्रित वस्तुएं कुछ खास देशों को बिना लाइसेंस भी निर्यात की जाती हैं। तीसरी श्रेणी सामान्य लाइसेंस की है, जिसमें बार-बार अनुमति नहीं लेनी पड़ती और पहले से मंजूर कुछ वस्तुओं के निर्यात की इजाजत होती है। एक अन्य श्रेणी वैलिडेटेड लाइसेंस की है, जिसमें हर वस्तु के निर्यात की मंजूरी लेनी पड़ती है। इटार रक्षा एवं अंतरिक्ष से संबंधित सामानों, सेवाओं, तकनीकी जानकारी के निर्यात एवं आयात पर नजर रखता है, जिससे बाजार में विक्रेता का दबदबा और बढ़ जाता है। परिणामस्वरूप खरीदार देश को उन्नत तकनीक हासिल करने के लिए अक्सर विक्रेताओं की शर्तें माननी पड़ती हैं। इससे रक्षा बाजार में असंतुलन जाहिर होता है, जहां विक्रेता का पूरा रुतबा होता है और दुनिया के सबसे बड़े रक्षा आयातकों में शुमार भारत को भी उनकी बात माननी पड़ती है। ज्यादातर उद्योगों में बड़े केंद्रों के पास विनिर्माण होने पर आवाजाही की लागत घटने, माल जल्द मिलने, आपूर्ति श्रृंखला ज्यादा मजबूत होने और स्थानीय जरूरतों के हिसाब से उत्पाद को ढालने जैसे फायदे मिलते हैं। किंतु रक्षा में मामला कदम अलग है, जहां तकनीक हस्तांतरण समझौते के तहत होने वाले स्थानीय विनिर्माण के लिए भी खरीदार अक्सर पूरी तरह विक्रेता पर निर्भर होता है। रक्षा में तकनीक हस्तांतरण एकतरफा है और विक्रेता का पलड़ा भारी होता है। उदाहरण के लिए किसी तकनीक से जुड़ी अहम जानकारी कभीकभार ही दी जाती है और उसमें भी अधूरी जानकारी देकर छोड़ दिया जाता है। मुख्य उपकरण या महत्त्वपूर्ण तकनीक वाली सहायक प्रणाली के बारे में अक्सर नहीं बताया जाता ताकि खरीदार देश विक्रेता के ही आसरे रहे और तकनीक या उपकरण खुद तैयार नहीं कर पाए। यह रवैया उत्पादन में आत्मनिर्भरता के आड़े आता है और रखरखाव, मरम्मत या कलपुर्जों के लिए खरीदार को विक्रेता पर ही निर्भर बनाए रखता है। इन समझौतों में शर्त होती है कि तय संख्या से ज्यादा उपकरण नहीं बनाए जा सकते और प्रणाली से जुड़े इंटरफेस तक नहीं जाने दिया जाता, जिससे सुधार या अपग्रेड भी नहीं हो सकते। साथ ही निर्यात पर कड़ी पाबंदी लगा दी जाती है किसी भी देश को अपने यहां बने रक्षा उपकरण निर्यात करने के लिए विक्रेता देश से इजाजत भी लेनी पड़ती है। एक झमेला और है। तकनीक हस्तांतरण के तहत रॉयल्टी हमेशा चुकाते रहनी पड़ती है चाहे उपकरण कितने भी कम या ज्यादा बनाए जाएं। यह रॉयल्टी या शुल्क इतना ज्यादा होता है कि कई बार तो विक्रेता इससे उपकरण की कीमत के बराबर मुनाफा कमा लेता है।

आज का इतिहास – बढ़ता राजस्थान

26 मई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

- नार्वे में चर्च में 1822 में आग लग जाने के कारण 122 लोगों की मौत हो गई थी।
- ब्रिटेन में पेट्रोल खरीदने पर लगी सीमा को 1950 में खत्म कर दिया गया। इससे पहले हर व्यक्ति को
- पेट्रोल खरीदने के लिए राशन कार्ड दिया जाता था।
- जापान में 1983 में आए भूकंप में 104 लोगों की मौत हो गई थी।
- जापान ने 1998 में दूसरे विश्व युद्ध के दौरान 50,016 ब्रिटिश सिपाहियों को बंदी बनाया था जिनमें से 12,433 की या तो मौत हो गई या उन्हें कैद में मार दिया गया।
- दक्षिण लेबनान से इसराइली सुरक्षा बलों के हटने पर लाखों हिज़्बुल्लाह समर्थकों ने 2000 में अपने नेता शेख़ हसन नसरल्लाह के साथ विजय रैली निकाली।
- चीन का विमान 2002 में समुद्र में गिरा, 225 लोग मरे।
- विज्ञान जगत् में 2006 में एक शोध के मुताबिक एड्स का विषाणु कैमरून में पाए जाने वाले चिपैंजिओं से फैला है।
- भारत और जर्मनी के बीच 2007 में रक्षा समझौता सम्पन्न हुआ।
- उत्तर प्रदेश सरकार ने अनाज व खाद्य तेलों की स्टॉक सीमा तय करने के सम्बन्ध में अधिसूचना 2008 में जारी की।

26 मई को जन्मे व्यक्ति

- प्रसिद्ध क्रांतिकारियों में से एक छगनराज चौपासनी वाला का जन्म 1912 में हुआ।
- 'भारतीय जनता पार्टी' (भाजपा) के नेता सरताज सिंह का जन्म 1940 में हुआ।
- अरुणा रॉय का जन्म 1946 में हुआ वो भारत की उन महिलाओं में से एक, जो बेहतर सामाजिक कार्यकर्ता होने के साथ-साथ राजनीतिज्ञ भी हैं।
- 'बीजिंग ओलिंपिक' खेलों में भारत के लिए 'कांस्य पदक' जीतने वाले पहलवान सुशील कुमार का जन्म 1983 में हुआ।
- दक्षिण भारतीय सिनेमा की मशहूर हास्य अभिनेत्री मनोरमा (तमिल अभिनेत्री) का जन्म 1937 में हुआ।

26 मई को हुए निधन

- के.पी.एस.गिल का निधन 2017 में हुआ वो पंजाब के दो बार पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) रहे थे।
- हिन्दी साहित्य के प्रसिद्ध कथाकार, गीतकार, समीक्षक और राजनीतिज्ञ श्रीकांत वर्मा का निधन 1986 में हुआ।

पेंशन की लड़ाई : कर्मचारियों का हक या सरकारी बोझ?

– डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत में 2004 से पहले सरकारी कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना के तहत पेंशन दी जाती थी। इसके तहत– सेवानिवृत्ति के बाद आजीवन निश्चित पेंशन मिलती थी। अंतिम वेतन का 50% पेंशन के रूप में दिया जाता था। महंगाई भत्ता जुड़ा होता था, जिससे समय-समय पर पेंशन बढ़ती रहती थी। सरकार द्वारा पूरी फंडिंग होती थी, कर्मचारी का योगदान नहीं होता था। लेकिन 1 अप्रैल 2004 से एनपीएस लागू किया गया, जिससे नई भर्ती वाले सरकारी कर्मचारियों के लिए यह प्रणाली बंद हो गई।

भारत में पुरानी पेंशन योजना की बहाली एक महत्वपूर्ण सामाजिक और आर्थिक मुद्दा बन चुका है। यह केवल सरकारी कर्मचारियों का ही नहीं, बल्कि देश की वित्तीय नीति और सामाजिक सुरक्षा का भी विषय है। 2004 में पुरानी पेंशन योजना को समाप्त कर नई पेंशन योजना लागू की गई, लेकिन बीते कुछ वर्षों में ओपीएस की बहाली को लेकर कर्मचारियों में व्यापक आंदोलन और राजनीतिक बहस छिड़ी हुई है।

पुरानी पेंशन योजना क्या थी?

कल्पना कीजिए कि आपकी नौकरी के बाद भी आपको हर महीने एक निश्चित आय मिलती रहे, जैसे एक जादुई खजाना जो कभी खाली न हो! यही थी ओपीएस – एक डिफाइंड बेनिफिट पेंशन योजना, जिसमें सरकारी कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद अपने अंतिम वेतन का 50त्न पेंशन के रूप में प्राप्त करते थे। इसमें महंगाई भत्ता भी जोड़ा जाता था, जिससे पेंशन समय-समय पर बढ़ती रहती थी। इस योजना के तहत सरकार पेंशन की पूरी गारंटी देती थी और कर्मचारी को कोई योगदान नहीं देना पड़ता था।

नई पेंशन योजना और विवाद : 2004 में केंद्र सरकार ने ओपीएस को समाप्त कर एनपीएस लागू किया, जो एक डिफाइंड कंट्रीब्यूशन योजना है। इसमें कर्मचारियों को अपनी सैलरी का एक निश्चित हिस्सा पेंशन फंड में निवेश करना होता है, जिसे बाजार आधारित रिटर्न पर निर्भर रहना पड़ता है। अब कल्पना कीजिए कि आपकी पेंशन स्टॉक मार्केट की लहरों पर तैर रही हो – कभी ऊपर, कभी नीचे! यही कारण है कि एनपीएस को लेकर कर्मचारियों में असुरक्षा की भावना बनी रहती है, क्योंकि इसमें कोई गारंटीशुदा पेंशन नहीं होती।

ओपीएस बहाली की माँग क्यों बढ़ रही है?

आर्थिक असुरक्षा : एनपीएस में पेंशन की राशि बाजार के प्रदर्शन पर निर्भर करती है, जिससे सेवानिवृत्त कर्मचारियों को स्थायी और निश्चित आय नहीं मिलती। ओपीएस में पेंशन महंगाई भत्ते के साथ बढ़ती थी, जबकि एनपीएस में यह लाभ नहीं है। राजस्थान, छत्तीसगढ़, पंजाब, झारखंड और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों ने ओपीएस को लागू करने की घोषणा की है। लाखों सरकारी कर्मचारी हड़ताल और विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिससे सरकार पर दबाव बढ़ रहा है। वृद्धावस्था में आर्थिक स्थिरता के लिए ओपीएस को एक आवश्यक साधन माना जाता है। एनपीएस के तहत कई सेवानिवृत्त कर्मचारी अपने खर्चों को पूरा करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य: अन्य देशों में पेंशन प्रणाली : दुनिया के कई देशों में पेंशन प्रणाली को लेकर अलग-अलग मॉडल अपनाए गए हैं। कुछ देशों ने सरकारी कर्मचारियों के लिए ओपीएस जैसी योजनाएं जारी रखी हैं, जबकि अन्य देशों ने निजी निवेश आधारित प्रणाली अपनाई है। अमेरिका में सोशल सिक्योरिटी सिस्टम के तहत सरकारी और निजी कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद निश्चित पेंशन मिलती है। हालांकि, इसमें सरकारी योगदान सीमित होता है और व्यक्तिगत निवेश भी आवश्यक होता है। ब्रिटेन में स्टेट पेंशन योजना लागू है, जिसमें सरकार न्यूनतम पेंशन सुनिश्चित करती है, लेकिन अतिरिक्त पेंशन के लिए निजी योजनाओं को प्रोत्साहित किया जाता है। जर्मनी में सार्वजनिक पेंशन प्रणाली काफी मजबूत है, जहाँ कर्मचारी और नियोक्ता दोनों अनिवार्य योगदान देते हैं, जिससे सुनिश्चित पेंशन मिलती है। फ्रांस में भी डिफाइंड बेनिफिट पेंशन प्रणाली मौजूद है, जिसमें सरकार प्रमुख भूमिका निभाती है और कर्मचारियों को स्थायी पेंशन प्रदान की जाती है। यहाँ सुपर एशन फंड प्रणाली लागू है, जिसमें कर्मचारी और नियोक्ता दोनों नियमित निवेश करते हैं, और रिटायरमेंट के बाद यह राशि पेंशन के रूप में दी जाती है।

सांसदों और विधायकों को पेंशन क्यों?

एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी उठता है कि जब सरकारी कर्मचारियों की पेंशन समाप्त कर दी गई, तो सांसदों और विधायकों को आज भी पेंशन क्यों दी जाती है? क्या सांसद और विधायक अपने कार्यकाल के दौरान नीतिगत निर्णय लेते हैं, जिसके लिए उन्हें विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं कई राज्यों में विधायकों को एक कार्यकाल के बाद ही आजीवन पेंशन मिलती है, जो सामान्य सरकारी कर्मचारियों के नियमों से अलग है। कई पूर्व सांसद और विधायक पहले से ही सरकारी सेवाओं में कार्यरत रहे होते हैं और उन्हें दोहरी पेंशन मिलती है। कई कर्मचारी संगठनों का तर्क है कि जब सरकारी कर्मचारियों की पेंशन समाप्त की गई, तो जनप्रतिनिधियों को भी उसी श्रेणी में रखा जाना चाहिए। सरकारी खजाने पर सांसदों और विधायकों की पेंशन का बोझ बढ़ता जा रहा है, जिससे इसे समाप्त करने की माँग तेज हो रही है।

ओपीएस बहाली से संभावित लाभ, वित्तीय प्रभाव और चुनौतियां : ओपीएस की बहाली से सरकारी वित्तीय बोझ बढ़ सकता है। सरकार को अपने बजट का बड़ा हिस्सा पेंशन भुगतान के लिए आवंटित करना होगा, जिससे अन्य विकास योजनाओं पर असर पड़ सकता है। कुछ अर्थशास्त्रियों का मानना है कि ओपीएस लागू करने से दीर्घकालिक आर्थिक असंतुलन हो सकता है। एक स्थायी पेंशन योजना से कर्मचारियों को सुरक्षा मिलेगी और वे अपने भविष्य को लेकर निश्चिंत रहेंगे। सरकारी नौकरियों की ओर लोगों का रुझान बढ़ेगा, जिससे योग्य और

बिहार में इफ्तार पार्टी के बहाने पार्टियों ने किया अपनी ताकत का प्रदर्शन

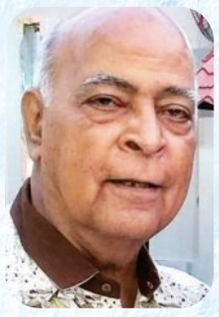

– अशोक भाटिया

बिहार में विधानसभा चुनाव की बिसात बिछाई जाने लगी है। चुनावी माहौल के बीच रमजान का महीना चल रहा है, जिसके चलते रोजा इफ्तार दावत की बहार देखने को मिल रही। सियासी पार्टियां रोजा इफ्तार के बहाने मुस्लिम समुदाय वोटबैंक को साधने की है, जिसके लिए नमाज पढ़ने वाली टोपी लगाने से लेकर गमछे को पहनने से गुरेज नहीं कर रहे हैं। इस तरह मुस्लिम रंग में रचे-बसे हुए नेता नजर आ रहे हैं, किसी की दावत में जाने से मुस्लिम तंजी में इनकार कर रही तो किसी की महफिल में जाने को बेकरार हैं। इस तरह बिहार में मुस्लिम पॉलिटिक्स होती दिख रही है?

आज राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की तरफ से इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। लालू प्रसाद के इफ्तार पार्टी में मुस्लिम संगठनों के लोग और वामपंथी दल और कांग्रेस के कुछ विधायक शामिल हुए। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने इफ्तार पार्टी से दूरी बनाई। यही नहीं वीआईपी के मुकेश भी नहीं पहुंचे। कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता कह चुके है कि अबकी चुनाव में उन्हें बड़ा हिस्सा नहीं मिला तो वो अकेले चुनाव लड़ेगी । ज्ञात हो कि रमजान के महीने में हर साल राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव इफ्तार पार्टी का आयोजन करते हैं। लालू प्रसाद हर साल अपने सरकारी आवास 10 सर्कुलर रोड पर इफ्तार पार्टी का आयोजन करते थे। लेकिन आज लालू प्रसाद पार्टी के वरिष्ठ नेता और विधान परिषद के सदस्य अब्दुल बारी सिद्दीकी के सरकारी आवास 12 स्ट्रेंड रोड पर किया गया इफ्तार पार्टी में लालू प्रसाद यादव खुद एक्टिव दिखे। इफ्तार पार्टी में लालू प्रसाद, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार विधानसभा में विरोधी दल के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव, अब्दुल बारी सिद्दीकी, शिवानंद तिवारी सहित राजद के सभी विधायक महागठबंधन के सहयोगी वामपंथी दलों के नेता और कई विधायक इफ्तार पार्टी में शामिल हुए। कांग्रेस विधायक प्रतिमा दास इस इफ्तार पार्टी में शामिल हुई। बिहार के वरिष्ठ पत्रकार अरुण पांडेय के अनुसार बिहार में महागठबंधन की सियासत लालू प्रसाद यादव के इर्द-गिर्द घूमती रहती थी। बिहार में कांग्रेस की राजनीति भी पिछले 25 वर्षों से राजद के सहारे ही चलती रही है। लेकिन कांग्रेस पार्टी अब अपना संगठन विस्तार करने में लगी हुई है। यही कारण है कि नए प्रभारी एवं नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति की गई है। लालू प्रसाद के द्वारा दी गई इफ्तार पार्टी में कांग्रेस के बड़े नेताओं की दूरी यह दिखा रही है कि महागठबंधन में सब कुछ सामान्य नहीं है। कांग्रेस के कुछ एक विधायकों का पहुंचना और बिहार कांग्रेस के बड़े नेताओं का इस इफ्तार पार्टी में शामिल नहीं होना यह संकेत दे रहा है कि कहीं कांग्रेस कुछ अलग राजनीति या रणनीति तो नहीं बना रही। सबसे बड़ी बात है कि कृष्णा अल्लावारु जब से बिहार के प्रभारी बने हैं एक बार भी लालू प्रसाद से मुलाकात करने नहीं गए। लालू प्रसाद द्वारा आयोजित इफ्तार पार्टी में महागठबंधन में नए राजनीतिक समीकरण भी देखने को मिला। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पशुपति कुमार पारस, बिहार अध्यक्ष प्रिंस राज और पार्टी के वरिष्ठ नेता सूरजभान सिंह इस इफ्तार पार्टी में शामिल हुए। मीडिया से बातचीत में पशुपति कुमार पारस ने बताया कि रमजान का पवित्र महीना चल रहा है। इफ्तार पार्टी में शामिल हुए हैं। बिहार में नई राजनीतिक समीकरण के सवाल पर उन्होंने कहा कि समय आने पर सब कुछ स्पष्ट हो जाएगा। उधर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की ओर से मुख्यमंत्री आवास पर रविवार को इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया। इफ्तार पार्टी में कई मुस्लिम नेताओं के साथ समाज के लोगों

शख्सियत – बढ़ता राजस्थान

नमस्कार साथियो आज के हमारे शख्सियत कॉलम के स्टार हैं डॉ. राहुल दीक्षित । एड एफएसएल (गृह विभाग) के सहायक निदेशक डॉ. दीक्षित वर्तमान में सहायक निदेशक एफएसएल भरतपुर संभाग के पद पर कार्यरत हैं ।

इनका जन्म 11 जुलाई 1982 को बानसूर जिला अलवर में हुआ। पिताजी के राजकीय सेवा में होने के कारण पढ़ाई कई जगह हुई प्राथमिक शिक्षा तहसील सरवाड़ अजमेर, दसवीं तक राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पावटा तहसील कोटपूतली, वहां दसवीं कक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त किया 11वीं व 12वीं राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बानसूर ,यहां कक्षा में द्वितीय स्थान पर रहे बीएससी व एमएससी रसायन शास्त्र राजकीय महाविद्यालय कोटपुतली से क्रमशः 2001 वह 2003 में उत्तीर्ण किया ।एमएससी में कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया व एमएससी के साथ ही वर्ष 2003 में नेट परीक्षा उत्तीर्ण की कोटपूतली कॉलेज के रसायन शास्त्र के प्रथम विद्यार्थी रहे जिन्होंने अध्यनरत रहते हुए नेट पास की तत्पश्चात रसायन शास्त्र में पीएचडी हेतु राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के रसायन विभाग में 2003 से 2007 तक शोध कार्य किया व पीएचडी की डिग्री हासिल की ।साथ ही 2004 से 2007 तक अग्रवाल कॉलेज सांगानेरी गेट जयपुर में इस्रद्धश्च बेसिस पर बीएससी एवं एमएससी की कक्षाओं में अध्यापन कार्य किया वर्ष 2007 में आरपीएससी से स्नस्रु में चयन उपरांत प्रभारी फॉरेंसिक यूनिट झालावाड़ के पद पर कार्य किया वर्ष 2008 से 09 तक एफएसएल जयपुर 2009 से 2015,2016-18 तक प्रभारी एफएसएल यूनिट अलवर के पद पर कार्य किया। 2013 में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर तथा वर्ष 2019 में सहायक निदेशक के पद पर पदोन्नति हुई। सहायक निदेशक के पद पर पदोन्नति उपरांत संभाग उदयपुर संभाग अजमेर में सेवाएं देने के बाद वर्तमान में एफएसएल संभाग भरतपुर में कार्यरत है। डॉ दीक्षित ने पुलिस ट्रेनिंग स्कूल अलवर, भरतपुर ,किशनगढ़ अजमेर, खेरवाड़ा में विभिन्न पुलिस कार्मिकों ,जेल कर्मियों वन विभाग के कार्मिकों को प्रशिक्षण दे चुके हैं ।अलवर कार्यकाल के दौरान कई महत्वपूर्ण प्रकरणों जैसे शिवाजी पार्क हत्याकांड ,चू चू प्रकरण कोतवाली अलवर, सरिस्का टाइगर एस टी -1 प्रकरण के खुलासे में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। अलवर जिला प्रशासन द्वारा डॉ दीक्षित को दो बार 26 जनवरी व15 अगस्त को इनकी कार्य कुशलता, अपराधों के अनुसंधान में वैज्ञानिक सहयोग को देखते हुए जिला स्तरीय समारोह में प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जा चुका है एफएसएल एक ऐसा विभाग है जिसे जन सामान्य अपेक्षाकृत कम जानता है यह विभाग पुलिस एवं न्यायालय के बीच एक योजक कड़ी का कार्य करता है इन्होंने अपनी विनम्रता कार्य कुशलता वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समाज में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। टीम बढ़ता राजस्थान इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

डॉ.राहुल दीक्षित
(सहायक निदेशक एफएसएल)

रूपक शर्मा

2025_080 a बढ़ता राजस्थान

Suduko

8			2			4	6	
1				8			5	
7						3		
6	2	1		3		9	7	8
4			1	9	6	2		
9	3		8		7		4	6
3					1			
2	7	9	3	6	8			
		8	7	4	2		9	3

Ans_2025_079

1	9	7	6	5	3	8	2	4
5	4	8	7	2	1	9	6	3
6	3	2	4	9	8	1	5	7
7	5	6	1	8	9	4	3	2
2	8	9	3	4	6	7	1	5
3	1	4	2	7	5	6	8	9
4	7	5	8	1	2	3	9	6
9	6	1	5	3	7	2	4	8
8	2	3	9	6	4	5	7	1

कैसे खेलें

वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। काई अंक दुबारा नहीं आए।

आज का राशिफल

हमारे अनुभवी ज्योतिषियों की टीम के अनुसार आप कई विविध लक्ष्यों को पूरा करेंगे। क्या आप यह जानना चाहते है कि आपके जीवन के ऐसे कौनसे क्षेत्र है, जहां आपके सितारे बुलंद रहेंगे और दूसरी तरफ, आपको किस बातों से सावधान रहना चाहिए। हम न सिर्फ हमारे काम में और जटिल मुद्दों को सुलझाते वक्त सकारात्मक ऊर्जा को महसूस करेंगे, बल्कि पारम्परिक संबंधों में भी, जहां यह स्थानान्तरण हमें संताए और बातचीत में लाभ प्रदान करेगा

मेष
हेल्थ का ध्यान रखने और खासकर बाहर के खाने-पीने से परहेज करने की सलाह आपको दी जाती है। आज आपमें क्रोध की मात्रा अधिक रहेगी, इसलिए वाणी में गुस्सा ना रखें। परिजनों से उग्र चर्चा के कारण मनमुटाव न हो।

वृष
मित्र एवं प्रियजन आपके प्रवास को आनंद से भर देंगे। नए वस्त्रों की खरीदी के योग हैं। तन-मन की तंदुरस्ती अच्छी रहेगी। अच्छे भोजन एवं वैवाहिक सुख की अनुभूति होगी। आज आप के घर में सुख शांति और आनंद का माहौल रहेगा।

मिथुन
अविवाहितों को योग्य जीवनसाथी मिलने के योग हैं। धन प्राप्ति के अवसर मिलेंगे। मित्रों से अचानक हुई मुलाकात आनंददायी रहेगी। मित्रों से लाभ होगा। आज आपको अच्छा खाना नसीब होगा। मित्रों से लाभ होगा।

कर्क
नौकरी में आपके अधिकारी खुश रहेंगे। आपकी पदोन्नति के योग हैं। अधिकारियों के साथ किसी महत्वपूर्ण बात पर चर्चा होगा। परिजनों के साथ खुले मन से बातचीत होगी। घर के डेकोरेशन पर कुछ खर्च हो सकता है। महिलाओं के मायके से समाचार आने के योग हैं।

सिंह
स्वजनों एवं परिजनों के साथ विवाद हो सकता है। आज कोई नया काम शुरू ना करें। आय की अपेक्षा खर्च अधिक होगा और ज्यादा परिश्रम के बाद ही सफलता मिलेगी। आज आपका दिन बहुत लाभदायी है।

कन्या
पानी वाली जगहों से दूर रहें। आज धन का व्यय अधिक होगा। आज नियम विरुद्ध कामों से दूर रहें। आज आपका दिन आनंद-प्रमोद में गुजरेगा। रोमांस के लिए आज का दिन अच्छा है और किसी खास व्यक्ति का साथ आपको आनंद देगा।

तुला
आप तन-मन से स्वस्थ होकर कई तरह के काम आसानी से पूरे कर पाएंगे। सफलता मिलने से आपके उत्साह में वृद्धि होगी। आज भाग्य आपका साथ देगा। इनकम बढ़ेगी। परिजनों के साथ आनंद एवं उल्लास से समय गुजरेगा।

वृश्चिक
माता से लाभ होने के संकेत आपको मिल रहे हैं। मित्र और संबंधियों से घर का वातावरण अच्छा रहेगा। आज अचानक होने वाली घटनाओं से आप चिंतित रहेंगे। स्वास्थ्य खराब होने और आंखों में दर्द होने की आशंका बनी रहेगी।

धनु
आज आपके धार्मिक एवं मांगलिक कामों में व्यस्त रहने की संभावना ज्यादा रहेगी। आप में आज क्रोध की मात्रा अधिक रहेगी, इसलिए आप सावधान ही रहें। संतान एवं व्यापार की परेशानियों के कारण आपका मन अशांत रहेगा।

मकर
बाहर जाना हो सकता है। माता के साथ संबंध अच्छे रहेंगे। सरकारी लाभ होगा एवं स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज आप का दिन मध्यम फलदायी रहेगा। पहले से निर्धारित काम के लिए आपका प्रयास ज्यादा रहेगा।

कुंभ
आपका शारीरिक एवं मानसिक आरोग्य अच्छा रहेगा। जरूरी कामों पर धन खर्च होगा। बीमार व्यक्तियों के स्वास्थ्य में सुधार होगा। शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी। दफ्तर में सहकर्मियों का अच्छा साथ मिलेगा। मित्रों से मुलाकात होगी।

मीन
संतान पक्ष से अच्छे समाचार मिलेंगे। नौकरीपेशा लोगों से आपको लाभ होगा। आय में वृद्धि होगी। वैवाहिक सुख की अनुभूति होगी। आज का दिन आपके लिए अनुकूल है। आप आज हर काम सरलता से पूरे कर पाएंगे। धन लाभ होगा और अधूरे काम पूरे हो सकते हैं।

आम जन की सहायतार्थ ई भूखण्ड निलामी के लिए नियन्त्रण कक्ष स्थापित
कर्मचारियो की लगाई ड्यूटियां

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। नगरपालिका मालपुरा द्वारा शास्त्री नगर विस्तार योजना में की जाने वाली ई भूखण्ड निलामी के अन्तर्गत आम जन की सहायता के लिए नियन्त्रण कक्ष स्थापित कर कर्मचारियो की ड्यूटियां लगाई गई है। उपखण्ड अधिकारी व अधिशासी अधिकारी अमित कुमार चौधरी ने बताया कि नगरपालिका मालपुरा द्वारा शास्त्री नगर विस्तार योजना आवासीय कालोनी में आवासीय भूखण्डो की ई निलामी की जा रही है। ई निलामी में भाग लेने के लिए भागीदार शुल्क व अमानत राशि 28 मार्च को रात्रि 11.59 तक ऑनलाईन जमा करवा सकते हैं। वहीं निलामी में भाग लेने के इच्छुक भागीदार यह प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद 1 अप्रैल से 4 तक अप्रैल के मध्य ऑनलाइन ई निलामी में भाग ले सकते हैं। इस ई निलामी में आने वाली किसी भी प्रकार की समस्या के समाधान के लिए नियन्त्रण कक्ष स्थापित किया गया है। इस नियन्त्रण कक्ष में वरिष्ठ सहायक निहाल चन्द जैन मो. 8233876463, कनिष्ठ सहायक मोहित विजय मो. 8233147086 तथा कनिष्ठ तकनीकी सहायक कनिष्क कुमावत मो. 7611975208 पर सम्पर्क कर समस्या का समाधान करवा सकते हैं। ईओ चौधरी ने बताया कि ई निलामी के बाद विक्रय किए भूखण्डो से होने वाली आय से नगरपालिका मालपुरा क्षेत्र के विकास को गति प्रदान की जाएगी।

7 दिवसीय राजस्थान दिवस का महिला सम्मेलन से हुआ आगाज
सरकार की जनहित योजनाओं से जिले की महिलाएं हुई लाभान्वित

बढ़ता राजस्थान

टोंक, (का.स.)। सात दिवसीय राजस्थान दिवस का मंगलवार को महिला सम्मेलन से आगाज हुआ। राज्य स्तरीय कार्यक्रम के तहत प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बाड़मेर से मातृवंदन को समर्पित महिला सम्मेलन में प्रदेश की महिलाओं को राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित किया। लाड़ो प्रोत्साहन योजना, इंडक्शन कुकटाप, स्कूटी वितरण एवं विवेकानंद स्कॉलरशिप, गार्गी पुरस्कार, बालिका प्रोत्साहन, मुख्यमंत्री हमारी बेटी योजना, राजीविका के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को सीआईएफ राशि का डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरण किया।

जिला स्तरीय कार्यक्रम कृषि ऑडिटोरियम टोंक में आयोजित किया गया। जहां पूर्व सांसद सुखबीर सिंह जौनापुरिया, पूर्व सभापति लक्ष्मी जैन, चंद्रवीर सिंह चौहान ने लाभार्थी महिलाओं एवं बालिकाओं को योजनाओं का लाभ दिया। इस दौरान लाभार्थियों ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का आभार व्यक्त किया।

आज होगा किसान सम्मेलन एवं एफपीओ कार्यक्रम : राजस्थान दिवस कार्यक्रमों की श्रृंखला में बुधवार को राज्य स्तरीय कार्यक्रम बीकानेर में आयोजित होगा। इसके तहत प्रदेश के किसानों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के तहत अनुदान का हस्तांतरण किया जाएगा। जिला स्तरीय किसान सम्मेलन का आयोजन जिला मुख्यालय के कृषि ऑडिटोरियम में सुबह 10:30 बजे होगा।

इन योजनाओं के तहत महिलाएं हुई लाभान्वित

महिला सम्मेलन के दौरान राजीविका की स्वयं सहायता समूह (ट्रेंच प्रथम) की 120 समूह को 18 लाख रुपये का चेक वितरित किया गया। इस तरह प्रत्येक ग्रुप को 15 हजार रुपये की सहायता दी गई। स्वयं सहायता समूह (ट्रेंच द्वितीय) की 605 समूह को 4 करोड़ 55 लाख 26 हजार 205 रुपये की सहायता दी गई। इस तरह प्रत्येक ग्रुप को 75 हजार रुपये मिलेंगे। राजीविका के स्थानीय उत्पाद की प्रदर्शनी लगाई गई। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने लाड़ो प्रोत्साहन योजना, इंडक्शन कुकटाप, काली बाई स्कूटी वितरण, गार्गी पुरस्कार, बालिका प्रोत्साहन, मुख्यमंत्री हमारी बेटी योजना के तहत लाभार्थियों को लाभान्वित किया।मंच संचालन कवि प्रदीप पंवार ने किया।

भाजपा की संगठनात्मक बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा
डिप्टी सीएम दिया कुमारी 2 अप्रैल को गंगापुर सिटी आएंगी

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। भारतीय जनता पार्टी के सवाई माधोपुर और खंडार विधानसभा के पदाधिकारियों की बैठक मंगलवार को जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर की अध्यक्षता में सर्किट हाउस में आयोजित हुई । जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि बैठक में दोनों विधानसभा के अंतर्गत आने वाले सभी जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी एवं प्रमुख कार्यकर्ताओं से पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और रूपरेखा तैयार की गई। जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर ने आगामी 2 अप्रैल को गंगापुर सिटी में होने वाले उपमुख्यमंत्री राजकुमारी दिया कुमारी के दौरे को लेकर कल जयपुर बायपास रोड निज निवास , उपमुख्यमंत्री 2 अप्रैल 2025 को प्रात 11 बजे गंगापुर सिटी जयपुर बाईपास रोड पहुंचेगी जहां कार्यकर्ताओं द्वारा उनका जगह जगह भव्य स्वागत किया जाएगा। इसके बाद उपमुख्यमंत्री गंगापुर में आकाश इंस्टीट्यूट का उदघाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। उपमुख्यमंत्री अपने एक दिवसीय दौरे के दौरान होटल पर्ल में प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक लेंगी और गंगापुर सिटी की कई सड़कों का शिलान्यास भी करेंगी और छात्र छात्राओ को स्कूटी भी वितरण करेंगी । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी दोपहर 1.30 बजे होटल पर्ल में ही भाजपा के बामनवास और गंगापुर विधानसभा के पदाधिकारियों की बैठक भी लेंगी । आज सर्किट हाउस में बैठक के बाद जिलाध्यक्ष ने खंडार विधानसभा में स्थित बालेर पहुंच कर कुश्ती दंगल कार्यक्रम में भी शिरकत की । सोमवार को जिला अध्यक्ष मानसिंह गुर्जर गांगपुर विधानसभा एवं बामनवास विधानसभा के मंडल अध्यक्ष एवं रहने वाले जिला कार्यकर्ताओं की बैठक बायपास स्थित कार्यालय पर लेंगे । इस दौरान बैठक में खंडार प्रधान नरेंद्र चौधरी ,पूर्व जिला अध्यक्ष सुरेश जैन , डॉ भरत मथुरिया,जिला महामंत्री हरिओम गर्ग चंपालाल मीणा जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण धाकड़ , बलवीर सिंह राजावत,जिला मंत्री हरिप्रसाद गुप्ता , कोषाध्यक्ष दीनदयाल अग्रवाल, आई टी प्रमुख मुकेश शर्मा,बजरिया मंडल अध्यक्ष नीलकमल जैन शहर मंडल अध्यक्ष श्रीचरण महावर, मलारना मंडल अध्यक्ष सीताराम गुर्जर, बजरिया मंडल महामंत्री आकाश भारद्वाज, कन्हैया सैनी,युवामोर्चा उपाध्यक्ष मुरली गौतम, प्रीतम चौधरी,रामपाल बालोत, बनवारी बंसल ,सीताराम शुक्ला आदि उपस्थित रहे।

राधेश्याम चौधरी होगें कर्मचारी महासंघ की मालपुरा शाखा के अध्यक्ष

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। राजस्थान राज्य संयुक्त कर्मचारी महासंघ के तहसील शाखा मालपुरा के अध्यक्ष पद पर राधेश्याम चौधरी को मनोनीत किया गया है।

महासंघ की बैंठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाकर नवीन अध्यक्ष मनोनयन के बाद नवीन कार्यकारिणी गठन का अधिकारी अध्यक्ष को सौंपा गया। ब्लाक महामंत्री राजेन्द्र माली ने बताया कि महासंघ की तहसील शाखा मालपुरा के अध्यक्ष निर्वाचन के लिए जिलाध्यक्ष जसवंत सिंह नरूका और चुनाव पर्यवक्षक राजाराम जाट की देखरेख में महासंघ के अध्यक्ष का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। जिसमें सर्वसम्मति से महासंघ की तहसील शाखा मालपुरा के अध्यक्ष पद पर राधेश्याम चौधरी को मनोनीत कर नवीन कार्यकारिणी गठन का अधिकार सौंपा गया। बैठक में सत्यनारायण दादा, धनराज सिंह, रामनारायण चौधरी, रामकिशन बेतुक सहित महासंघ के घटक दलो के सदस्य व पदाधिकारी मौजुद रहे। अंत में महासंघ की तहसील शाखा मालपुरा के मनोनीत नए अध्यक्ष राधेश्याम चौधरी का मौजुद सभी ने स्वागत सम्मान व अभिनन्दन किया।

मोटरसाईकिल का सन्तुलन बिगड़ने से हुई दुर्घटना में युवक की मौत

बढ़ता राजस्थान

नटवाड़ा (नि.स.)। नटवाड़ा-शिवाड़ सड़क मार्ग पर धोलाई तालाब के पास सोमवार रात एक युवक की बाइक अनियंत्रित होकर खेत में खुदी खाई में गिर गई। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक अशोक (35) पुत्र जगदीश बैरवा मजदूरी के लिए शिवाड़ गया था। देर रात तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने आसपास पूछताछ की। ऑटो किराए पर लेकर शिवाड़ और आसपास के गांवों में तलाश की। शिवाड़ से लौटते समय परिजनों को उसकी बाइक खेत में खुदी खाई में गिरी मिली। खाई में पानी भरा होने से अशोक की डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों की मदद से परिजनों ने शव बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और निवाई अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। मंगलवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

नवसंवत्सर दिव्य एवं भव्य रूप से मनाने की तैयारियां

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर (राकेश शर्मा)। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा भारतीय नववर्ष को दिव्य एवं भव्य रूप से मनाया जाएगा । भारतीय नव संवत्सर भव्य एवं दिव्या समारोह समिति के मीडिया प्रमुख सुरेंद्र शर्मा ने सोमवार को समारोह समिति की और से हुई पत्रकार वार्ता में बताया कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ भारतीय नव संवत्सर के महत्व को जन जन तक पहुँचाने के लिए नगर के सभी समाज के लोगों का एक विशाल कार्यक्रम उत्सव मैरिज गार्डन सर्किट हाउस रोड पर रहेगा, जिसके मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के केविनेट मंत्री व स्थानीय विधायक डॉ किरोड़ीलाल मीना रहेंगे । कार्यक्रम की अध्यक्षता ओम अग्रवाल करेंगे। इस दौरान महामंडलेश्वर बालकानंद महाराज भी आशीर्वचन करेंगे।वर्ष प्रतिपदा के दिन नववर्ष के शुभ संदेश देने के लिए नगर के सभी चौराहों पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के नेतृत्व में स्वागत कार्यक्रम रहेगा! समारोह समिति की महिला सहभागिता प्रमुख मीना उपाध्याय ने बताया कि समाज की विभिन्न महिला मंडल,सत्संग मंडली इस कार्यक्रम को उत्साह पूर्वक मनाएगी,समिति के संयोजक दिनेश गोहिल ने बताया कि नगर में कार्यरत विभिन्न संगठन प्रमुख चौराहों पर नववर्ष का स्वागत कर शुभकामनाएं देंगे । समिति के मंत्री हरिप्रसाद शर्मा ने भारतीय काल गणना की वैज्ञानिकता ,ग्रहों के आधार पर हमारी पंचांग पद्धति के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन समिति की महिला सहभागिता प्रमुख मीना उपाध्याय ने किया । प्रेस वार्ता में समिति के समन्वयक रामप्रसाद राजपूत भी उपस्थित रहे।

राजस्व कर्मचारियो ने सौंपा ज्ञापन

बढ़ता राजस्थान

मालपुरा (कृष्णचन्द्र विजय)। राजस्थान राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी संगठन ब्लाक मालपुरा के कर्मचारियो ने मंगलवार को उपखण्ड अधिकारी कार्यालय में एसडीएम अमित कुमार चौधरी की मौजुदगी में तहसीलदार पवन कुमार को ज्ञापन सौंपा। मालपुरा शाखा अध्यक्ष राकेश कुमार टेलर के नेतृत्व में राजस्व विभाग के मंत्रालयिक कर्मचारियो ने ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राज्य सरकार द्वारा मंत्रालयिक कर्मचारियो के लिए निदेशालय गठन में राजस्व विभाग के अधिनस्थ राजस्व मंडल एवं इसके अधीन संभागीय आयुक्त, जिला कलक्टर, उप निवेशन विभाग, भू प्रबंधस विभाग, के मंत्रालयिक कर्मचारियो को शामिल नहीं करने हेतु राजस्व विभाग में तहसीलदार के पदो पर मंत्रालयिक संवर्ग का कोटा यथायत जारी रखने हेतु, उपखण्ड अधिकारी कार्यालय में कार्यभार के अनुसार नवीन पदो का सूजन करने हेतु सहित अन्य मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में यह भी बताया गया कि राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी संघ की प्रदेश स्तरीय बैठक के निर्णय अनुसार 4 अप्रैल को सभी राजस्व मंत्रालयिक कर्मचारी अपनी मांगो को लेकर जयपुर में आयोजित रैली आयोजित कर राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करेगें।

ज्ञापन देते समय संगठन प्रवक्ता गौरव पारीक, सत्यनारायण चौधरी, विष्णु बारेठ, चिरंजीलाल शर्मा, दिनेश जैन, शकील मोहॅम्मद, देवेन्द्र छाबड़ी, वेदप्रकाश चौधरी, गोपाल सिंह, रामेश्वर चौधरी, राकेश खारोल, विजय सिंह सहित अन्य राजस्व विभाग के सभी मंत्रालयिक कर्मचारी मौजुद रहे।

हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा इस बार
चैत्र नवरात्र पर होगी इस बार सुख समृद्धि

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर(राकेश शर्मा)। चैत्र नवरात्र (30 मार्च) रविवार को प्रवर्धमान योग में कलश स्थापना के साथ प्रारंभ होगा। यह काफी महत्वपूर्ण व पुनीत योग है। इस दिन भगवान ब्रह्मा ने पूरी सृष्टि की रचना की थी। मां कामाख्या ज्योतिष शोध संस्थान खेरदा सवाई माधोपुर के अध्यक्ष पंडित ताराचंद शास्त्री ने बताया कि 29 मार्च की शाम 4.33 बजे प्रतिपदा तिथि शुरू होगी, जो 30 मार्च की दोपहर 2.14 बजे तक रहेगी। उदयातिथि होने के कारण 30 मार्च को ही कलश स्थापना की जाएगी। कलश स्थापना के लिए 4 घंटे का मुहूर्त होगा। लेकिन 30 मार्च को चैत्र नवरात्र घट स्थापना के लिए सर्वश्रेष्ठ मुहूर्त सुबह 6.24 से 7.07 बजे तक रहेगा, जबकि अभिजित मुहूर्त सुबह 7 बजकर 56 मिनट से दोपहर 12.31 बजे तक रहेगा। इस बार आठ दिन की नवरात्रि होगी। 8 दिनों तक शक्ति की देवी मां दुर्गा की आराधना अलग-अलग रूपों में की जाएगी। ज्योतिषविदों के मुताबिक, तृतीया तिथि का क्षय होने के कारण नवरात्र नौ के बजाय आठ दिन पड़ रहा है। पांच अप्रैल को अष्टमी व छह अप्रैल को रामनवमी होगी। कन्याओं का पूजन कर उन्हें भोजन कराया जाएगा। वहीं, सात अप्रैल को विसर्जन जुलूस निकाला जाएगा।

एक तिथि का क्षय : पं. ताराचंद शास्त्री ने बताया कि मां का आगमन हाथी पर होने से इस साल अच्छी बारिश, बेहतर पैदावार और कृषि में उन्नति होगी। मां दुर्गा का आगमन प्रस्थान भी हाथी पर होगा, जो सुख-समृद्धि का प्रतीक है। रेवती नक्षत्र, पेंद्र और प्रवर्धमान योग में कलश स्थापना होगी। मीन राशि में पंचग्रही योग का संयोग भी बनेगा, जो सुख -समृद्धि का कारक है। आचार्य पं. ताराचंद शास्त्री के अनुसार, नवरात्रि का आरंभ सोमवार या रविवार को हो तो मां का वाहन हाथी होता है। गुरुवार या शुक्रवार को मां डोली पर आती हैं, जबकि शनिवार या मंगलवार को उनका वाहन घोड़ा होता है। मां दुर्गा की नवरात्रके दौरान घोड़े पर सवार होकर आना शुभ नहीं माना जाता है। यह वाहन इस बात का संकेत देता है कि आने वाले समय में सत्ता में कुछ बदलाव होगा। युद्ध का सामना भी करना पड़ सकता है।

एनीमिया से बचाने के लिए पिलाई आयरन की खुराक

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर(राकेश शर्मा)। एनीमिया मुक्त राजस्थान कार्यक्रम के तहत बच्चों, किशोर-किशोरियों, प्रजनन उम्र की महिलाओं, गर्भवती महिलाओं तथा धात्री माताओं में अनीमिया की दर कम करने के लिए प्रत्येक मंगलवार को शक्ति दिवस के रूप आयोजित किया जा रहा है, इसी क्रम में जिले के सभी चिकित्सा संस्थानों, आंगनवाड़ी केंद्रों पर शक्ति दिवस का आयोजन किया गया। जिले के सभी जिला चिकित्सालयों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों, हैल्थ वेलनेस सेंटर पर नियमित ओपीडी के अलावा मरीजों के हिमोग्लोबीन की जांच और उपचार किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने बताया कि सभी महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों को शक्ति दिवस के बारे में जानकारी देते हुए बताया गया कि शक्ति दिवस का मुख्य उद्देश्य समुदाय व लाभार्थियों में अनीमिया नियंत्रण के लिए स्क्रीनिंग, हिमोग्लोबीन की जांच, उपचार तथा एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। आयरन स्वास्थ्य के लिए किस प्रकार आवश्यक है और इसकी कमी होने से किस प्रकार की समस्याएं हो सकती हैं। कार्यक्रम में महिलाओं, गर्भवतियों, धात्री माताओं, किशोरियों का हीमोग्लोबिन जांच कर आयरन की दवाएं दी गई।

जिला स्तरीय किसान सम्मेलन एवं किसान उत्पादक संगठन मेले का शुभारम्भ आज

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर। राजस्थान दिवस सप्ताह महोत्सव का जिला स्तरीय किसान सम्मेलन एवं किसान उत्पादक संगठन मेले का शुभारम्भ सशक्त किसान-समृद्ध राजस्थान की थीम पर जिला कलक्टर शुभम चौधरी के मुख्य आतिथ्य में 26 मार्च को प्रात: 10:30 बजे रामसिंहपुरा स्थित राजीव गांधी क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय के ओडिटोरियम में आयोजित किया जाएगा। राज्य स्तरीय मुख्य समारोह प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में स्वामी विवेकानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर में होगा।

राष्ट्रीय/राज्यीय मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक आयोजित

बढ़ता राजस्थान

सवाई माधोपुर(राकेश शर्मा)। निर्वाचन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार राष्ट्रीय/राज्यीय मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी शुभम चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से मतदान प्रतिशत में सुधार, मतदाता सूची में लिंगानुपात तथा मतदाता-जनसंख्या अनुपात (ईपी रेश्यों) में सुधार सहित निर्वाचन प्रक्रिया से सम्बन्धित अन्य मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से निर्वाचन प्रक्रिया में सुधार के सम्बन्ध में सुझाव लिए। भारत निर्वाचन आयोग एवं निर्वाचन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार अपने दल की ओर से जिले के समस्त मतदान केन्द्रों पर बूथ स्तरीय अभिकर्ता की नियुक्ति भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रपत्रों में करने का आग्रह किया। बैठक में भारतीय जनता पार्टी की ओर से बलवीर सिंह, पूर्व जिलाध्यक्ष सुरेश जैन, इंडियन नेशनल कांग्रेस की ओर से गिर्राज गूर्जर जिलाध्यक्ष, मस्तराम गूर्जर, बहुजन समाज पार्टी की ओर से अशोक कुमार मीना जिलाध्यक्ष, सहायक जनसम्पर्क अधिकारी सुरेन्द्र कुमार मीणा, सहायक प्राशासनिक अधिकारी चुनाव शाखा हनुमान जैन मौजूद उपस्थित रहे।

एक भी गाँव-ढाणी, गली-मोहल्ला न छूटे, सामूहिक प्रयासों से निखरे हमारा राजसमंद : कलक्टर

सफाई अभियान में पूर्ण मनोयोग से जुटें, भारतीय नववर्ष पर बेहतर माहौल में हम करें प्रवेश, 27 से 29 मार्च तक स्वच्छता महा अभियान का आयोजन

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (राजसमंद)। मंगलवार देर शाम तक जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने सभी उपखंड अधिकारियों, तहसीलदार, विकास अधिकारियों, नगर निकायों के आयुक्त, अधिशाषी अधिकारियों आदि के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस लेकर जिला प्रशासन की ओर से 27 से 29 मार्च तक आयोजित हो रहे स्वच्छता महाअभियान की बारीकी से समीक्षा कर दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान एडीएम नरेश बुनकर, जिला परिषद सीईओ बृजमोहन बैरवा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलक्टर ने कहा कि सभी अधिकारी सुनियोजित ढंग से पहले प्लानिंग कर लें और उसके बाद आवश्यक संसाधन जुटा कर ही मैदान में उतरें। यह अभियान महज औपचारिकता न रह कर धरातल पर बदलाव लेकर आए। अभियान के दौरान एक भी गाँव,ढाणी, गली, मोहल्ला, सार्वजनिक स्थल न छूटे। हर राजकीय कार्यालय, विद्यालय, अस्पताल, बस स्टैंड, यात्री प्रतीक्षालय, गांवों और नगरों के एंट्री प्वाइंट, धार्मिक स्थल, पर्यटन स्थल की अच्छे से सफाई की जाए। ऐसे सार्वजनिक शौचालय जो बदहाल हैं उनकी मरम्मत, रंग रोगन भी की जाए। कलक्टर ने कहा कि चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को भारतीय नववर्ष से हम एक बेहतर माहौल में प्रवेश करें। असावा ने कहा कि पिछले दिनों सफाई के क्षेत्र में हुए प्रयासों से आमजन में स्वच्छता को लेकर संदेश पहुंचा है और जिला बेहतर हुआ है। कलक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम अपने उपखंड में लीडर की भूमिका निभाएं, सभी नगर निकाय और ग्राम पंचायतें लोगों को एकजुट करें ताकि अभियान में जनभागीदारी हो। अभियान में विभिन्न संस्थाओं, एनजीओ, सामाजिक संगठनों, पत्रकारों, व्यापारी संघों, मनरेगा श्रमिकों आदि को साथ लेकर सफल बनाएं। असावा ने निर्देश देते हुए कहा कि समस्त नगरीय निकाय अपने क्षेत्र के बाजारों में थड़ी व्यवसाइयों को डस्ट दिन वितरित करें और जहां कहीं लापरवाही नजर आए वहाँ जुर्माना भी करें। राजकीय कार्यालयों में पुरानी रद्दी, अनुपयोगी सामग्री का निस्तारण करें और कार्यालय परिसरों के आस-पास परिक्षेत्र में भी प्रभावी ढंग से सफाई कार्य सम्पन्न किए जाएं। कलक्टर ने वीसी में सभी अधिकारियों से कहा कि अभियान में तन्मयता से जुटें और यह महज निर्देश, आदेश या औपचारिकता निभाने के लिए न हो। इसमें मन से जुटें और लोगों को भी जोड़ें। समाज का हर वर्ग अभियान में जुटना चाहिए। जिले में ऐसा कोई सार्वजनिक प्रमुख स्थान नहीं होना चाहिए जहां सफाई नहीं हुई हो। अभियान के पश्चात जिले में किसी भी स्थान से सफाई संबंधी शिकायत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि स्वच्छता अभियान के तहत वर्षों पुराने लिगसी वेस्ट का निस्तारण किया जाए और ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से स्वच्छता पर जोर दिया जाए। सीईओ बृजमोहन बैरवा ने बताया कि शहर में अभियान की शुरुआत 27 मार्च को नौ चौकी पाल से होगी। जिला कलक्टर बालमुकुंद असावा ने जिलेवासियों से आह्वान किया है कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और अपने गांव, गली, मोहल्ले एवं शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में योगदान दें।

राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय में मिली गंभीर खामियां, संगठन ने जताया विरोध

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णु दत्त धीमान)। प्रदेश नेतृत्व के आदेशानुसार जिले के सभी राजकीय चिकित्सालयों में चिकित्सा सुविधाओं और मरीजों की समस्याओं के समाधान हेतु निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को शहरी ब्लॉक अध्यक्ष खींयाराम सिंगारिया, बाबूलाल सैन और ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष शौकीन काठात के नेतृत्व में ब्यावर संगठन ने राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय, ब्यावर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सालय में कई खामियां उजागर हुईं।

प्रवेश पर अव्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं की कमी : निरीक्षण में यह पाया गया कि अस्पताल में प्रवेश पर मरीजों की लंबी कतारें थीं, लेकिन बैठने की उचित व्यवस्था नहीं थी। साथ ही, व्हीलचेयर और स्ट्रेचर जैसी बुनियादी सुविधाएं भी नदारद थीं। जिले के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल में डॉक्टरों की कमी और एमआरआई मशीन का अभाव मरीजों के लिए गंभीर समस्या बना हुआ है। हृदय रोग विशेषज्ञ और न्यूरोलॉजिस्ट की अनुपस्थिति के चलते मरीजों को रेफर किया जा रहा है। इसके अलावा, सिटी स्कैन और सोनोग्राफी की अतिरिक्त मशीनों की भी आवश्यकता महसूस की गई।

पार्किंग ठेकेदार की मनमानी और ओपीडी अव्यवस्था : मरीजों और उनके परिजनों से बातचीत में पता चला कि पार्किंग ठेकेदार द्वारा मनमाने ढंग से वसूली की जा रही है और रसीद भी नहीं दी जा रही है। ओपीडी काउंटर पर जानकारी का अभाव होने के कारण स्किन विभाग के डॉक्टर की नाइट ड्यूटी के बावजूद उनकी ओपीडी की पर्चियां काटी जा रही थीं, जिससे मरीजों की भारी भीड़ जमा हो गई और अव्यवस्था फैल गई।

स्किन डॉक्टर की नाइट ड्यूटी पर ऐतराज : निरीक्षण दल ने पाया कि स्किन विभाग में एकमात्र डॉक्टर को नाइट ड्यूटी दी जा रही है, जबकि राज्य सरकार के स्पष्ट निर्देश हैं कि जिस विभाग में केवल एक डॉक्टर हो, उसे नाइट ड्यूटी नहीं दी जा सकती। इसके चलते दूर-दूर से आए मरीजों को खाली हाथ लौटना पड़ा। इस संबंध में पीएमओ से मुलाकात कर विरोध जताया गया और स्किन डॉक्टर की ओपीडी पर्ची काटने पर रोक लगाते हुए संबंधित कक्ष को तत्काल प्रभाव से बंद करवाया गया।

समस्याओं से अवगत कराया गया

संगठन के प्रतिनिधियों ने प्रमुख चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) से मिलकर व्यवस्थाओं में सुधार की मांग की। उन्होंने पहले भी पार्टी संगठन द्वारा लिखित में अवगत कराया था, लेकिन अब तक व्यवस्थाओं में कोई ठोस बदलाव देखने को नहीं मिला है।

निरीक्षण दल में ये कार्यकर्ता रहे शामिल

इस निरीक्षण के दौरान शहरी ब्लॉक अध्यक्ष खींयाराम सिंगारिया, बाबूलाल सैन, ग्रामीण ब्लॉक अध्यक्ष शौकीन काठात, एडवोकेट पारसमल श्रीमाल, कन्हैयालाल खत्री, मुंशी धीरज जैन, लीलाधर दाधीच, धर्मेंद्र कुमावत, राधावल्लभ माहेश्वरी सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही व्यवस्थाओं में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

पहले दिन पैरेलल ने ओरिका को 4 विकिट से और होटल ट्राइडेंट ने होटल द लीला पैलेस को हरा जीते उद्घाटन मैच

मेवाड़ टूरिज्म कप 2025 का आगाज़, पर्यटन से जुड़ी इकाइयों के प्रतिभागी दिखा रहे हैं प्रतिभा

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। मेवाड़ टूरिज़्म कप के तहत पहले दिन मंगलवार को सुबह हुए मैच में पहले मुकाबले मे पैरेलल होटल ने औरिका को 4 विकेट से और दूसरे मैच में होटल ट्राईडेंट ने होटल द लीला पैलेस को 3 विकिट से हराया। वुडन स्ट्रीट द्वारा आयोजित कप के फील्ड क्लब मैदान पर मंगलवार से शुरू हुए पहले मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरी ऑरिका होटल की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 150 रन बनाए। ऑरिका होटल की ओर से मोहम्मद साद ने 42 रन और मुकेश सिंह ने 21 रनों का योगदान दिया। टीम होटल पैरेलल की ओर से राहुल ने तीन विकेट और संदीप शर्मा एवं तुलसी ने दो-दो विकेट प्राप्त किया। जवाब में होटल पैरेलल ने निर्धारित लक्ष्य को 19.2 ओवर में हासिल कर लिया। होटल पैरेलल की ओर से ओपी जांगिड ने नाबाद रहते हुए 66 रनों का योगदान दिया। शानदार बल्लेबाजी के लिए होटल पैरेलल के जांगिड़ को मैन ऑफ द मैच चुना गया। आज खेले गए दूसरे मुकाबले में होटल ट्राइडेंट ने दी लीला पैलेस होटल को तीन विकेट से हराया। द लीला पैलेस होटल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 110 रन बनाए। द लीला पैलेस की ओर से हितेश ने 27 रन और भव्य जैन ने 23 रनों का योगदान दिया। ट्राइडेंट होटल की ओर से हरीश और अर्पित ने शानदार गेंदबाजी करते हुए तीन-तीन विकेट प्राप्त किया। रितेश पालीवाल और रोहित रावत ने दो-दो विकेट हासिल किया। जवाब में होटल ट्राइडेंट ने निर्धारित लक्ष्य को 14.3 ओवर में हासिल कर लिया होटल ट्राइडेंट की ओर से हरीश ने 25 रन और रितेश पालीवाल ने 22 रनों का योगदान दिया।होटल लीला पैलेस की ओर से रितेश माली ने तीन विकेट हासिल किया। हरफनमौला प्रदर्शन के आधार पर होटल ट्राइडेंट के हरीश को मैन ऑफ द मैच चुना गया। आईपीएल की तर्ज पर शुरू हुए टूर्नामेंट में भी सभी टीमों की अलग अलग रंगीन जरसी बनाई गई है। आईपीएल फॉर्मेट में खेले जाने वाले इस टूर्नामेंट में पहले लीग मैच होंगे. फिर नॉकआउट राउंड और अंत में 6 अप्रैल को फाइनल खेला जाएगा।

47 पुरुष क्वीन मेकर्स अवार्ड से सम्मानित

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। शी सर्किल इंडिया, एनआईसीसी, अरुणोदय इंपैक्स ,आईटी गुरुकुल के संयुक्त तत्वाधान में द क्वीन मेकर्स अवार्ड होटल विक्टोरिया मेंशन में आयोजित हुआ। शी सर्कल इंडिया की संस्थापक तारीका भानुप्रताप ने बताया कि यह सम्मान समारोह उन सभी पुरुषों को समर्पित था जो अपनी पत्नीयों के लिए सबसे बड़ा सपोर्ट बनकर रहे हैं चाहे वह घर परिवार हो, बच्चे संभालना हो, पत्नी का जॉब हो या व्यवसाय हो हमेशा एक आदर्श पुरुष की तरह अपनी पत्नी के हित में वह उसके सहयोग में सदैव उसके साथ बने रहे हैं। उनका मानना है कि भारतीय संस्कृति के लिए यह सभी पुरुष जो योगदान अपनी पत्नियों के जीवन में उन्हें आगे बढ़ाने के लिए कर रहे हैं उन्हें यह अवार्ड मिलने से और भी प्रोत्साहन मिलेगा। यह अपने तरीके का आयोजित होने वाला पहला सम्मान समारोह है जिसमें पतियों को अवार्ड से सम्मानित किया गया। एनआईसीसी की स्वीटी छाबड़ा ने बताया कि इस अवार्ड में विशिष्ट अतिथियों में सेंट्रल पब्लिक स्कूल प्रिंसिपल श्रीमती अलका शर्मा, मुंबई मुल्क रेस्तरां के इश्ज्योत सूरी, यशपाल सिंह थे। इस सम्मान समारोह को आयोजित करने का उद्देश्य उन सभी पुरुषों के प्रति आभार ज्ञापित करना है जो कहीं ना कहीं अपनी अर्धांगिनी के लिए सदैव तत्पर रहते हैं।

कार्यक्रम के सह संयोजक अरुणोदय इंपैक्स से पुष्पेंद्र, आई टी गुरुकुल के संतोष कालरा, स्वर्ण सिल्वर से सोनू जैन , कॉस्मोडेंट से डॉक्टर दक्षिता गगर, पिज़्ज़ा गैलरिया से रुचि जैन आदि कई गणमान्य नागरिक सम्मान समारोह में शामिल हुए।

राजस्थान स्थापना दिवस सप्ताह : महिला सशक्तिकरण को नई दिशा

बढ़ता राजस्थान

ब्यावर (विष्णु दत्त धीमान)। राजस्थान स्थापना दिवस सप्ताह के उपलक्ष्य में ब्यावर के अंबेडकर भवन में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में माननीय विधायक शंकर सिंह रावत, जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन और आमजन ने राज्य स्तरीय महिला सम्मेलन, बाड़मेर में लाइव सहभागिता निभाई। इस दौरान माननीय मुख्यमंत्री महोदय एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं पर प्रकाश डाला।

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने वाली योजनाओं से लाभान्वित हुए : इस अवसर पर कलेक्टर डॉ. महेंद्र खडगावत ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री महोदय द्वारा विभिन्न महिला सशक्तिकरण योजनाओं से लाभान्वित किया गया। साथ ही, बाड़मेर में कालिबाई भील योजना के तहत छात्राओं को स्कूटी वितरित की गई। विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के तहत लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया।यह आयोजन महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

स्थानीय स्तर पर विभिन्न योजनाओं का हुआ लाभ वितरण : इस कार्यक्रम के तहत लाड़ो प्रोत्साहन योजना में 40 लाभार्थियों को सहायता प्रदान की गई। सोलर दीदी योजना के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को सशक्त बनाया जाएगा। महिला समूहों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई ताकि वे अपने आर्थिक स्वावलंबन को मजबूत कर सकें। इसके अलावा, 38 महिलाओं को इंडक्शन कुक टॉप वितरित किए गए, जिससे स्वच्छ और सुरक्षित ऊर्जा स्रोतों को प्रोत्साहित किया जा सके। बालिकाओं को डीबीटी अंतरण के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान की गई। आपकी बेटी योजना, गार्गी व बालिका प्रोत्साहन योजना, और अपनी लाडो योजना के तहत भी कई लाभार्थियों को सहायता मिली, जिससे बालिकाओं की शिक्षा और सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला। इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर मोहनलाल खटनावलिया, खंड अधिकारी दिव्यांश सिंह, एसीईओ गोपाल लाल, अधीक्षण अभियंता एम.के. सिंघल (अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड), उपनिदेशक नीरू सांखला, सहित विभिन्न जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

राजस्थान दिवस के सात दिवसीय आयोजनों की हुई शुरुआत महिला सम्मेलन में विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हुई मातृशक्ति

बढ़ता राजस्थान

राजसमंद (राजसमंद)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान दिवस की कड़ी में आयोजित हो रहे सात दिवसीय कार्यक्रमों की शुरुआत मंगलवार को महिला सम्मेलन के आयोजन के साथ हुई। जिला स्तरीय कार्यक्रम अणुव्रत विश्वभारती सभागार में हुआ जहां बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रही। महिला सम्मेलन के तहत प्रदेशभर में लाड़ो प्रोत्साहन योजना के तहत 7.5 करोड़ रूपये की राशि की पहली किश्त का डीबीटी हस्तांतरण, प्रदेशभर के महिला समूहों को लगभग 100 करोड़ रुपये की सी.आई.एफ. राशि का हस्तान्तरण, 3 हजार महिलाओं को इंडेक्शन कुक टॉप का वितरण, कालीबाई भील योजना के अन्तर्गत 5 हजार मेधावी छात्राओं को स्कूटी वितरण, गार्गी पुरस्कार, बालिका प्रोत्साहन एवं मुख्यमंत्री हमारी बेटियां योजना के अन्तर्गत 31 हजार 790 बालिकाओं को 13.16 करोड़ का डीबीटी, विवेकानन्द स्कॉलरशिप योजना के लाभान्वित मेधावी छात्राओ को स्वीकृति, 1.10 करोड़ महिला प्रमुख परिवार को 200 करोड़ रुपये की एल.पी.जी. सब्सिडी राशि का डीबीटी हस्तांतरण किया गया।

साथ ही अति कुपोषित बच्चों के लिए टेक होम राशन में दूध 15 ग्राम से 25 ग्राम देने के दिशा निर्देश, सोलर दीदी हेतु दिशा-निर्देश, प्रथम चरण में 1000 ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक योजना के दिशा-निर्देश भी जारी किए गए। समारोह में जिला स्तर पर स्थानीय लाभार्थियों को लाभ वितरण किया गया।

कस्बे की गलियों में गूंज रहे है गणगौर के मंगल गीत

1 अप्रैल को शाहीलवाजमें के साथ निकलेगी गणगौर की सवारी

बढ़ता राजस्थान

पावटा (सुशील कुमार बंसल)। होली के पर्व के बाद क्षेत्र में सुहाग का प्रतीक माने जानी वाली गणगौर की धूम देखने को मिल रही है। राजशाही के पहले से चला आ रहा गणगौर का पर्व ना सिर्फ विवाहित महिलाऐं बल्कि कुवांरी कन्याऐं भी हर्षोल्लास के साथ मनाती है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार विवाहित महिलाऐं अपने पति की लम्बी उम्र के लिए गणगौर का व्रत और विशेष पूजा करती है तो कुवांरी कन्याऐं अच्छे वर की कामना में गणगौर का पूजन करती है और व्रत रखती है। होलिका दहन के अगले दिन से नव विवाहिताऐं व कुवांरी कन्याऐं गणगौर पूजने में लगी है। कन्याऐं एवं नवविवाहित महिलाऐं सवेरे - सवेरे इक्ठ्ठा होकर सुन्दर- सुन्दर मंगल गीत गाते हुए बगीचों में जाकर फूल, दूब एवं जल भरकर लाती है। और ईसर के रुप में भगवान शिव तथा गौर के रूप में माता पार्वती का पूजन करती है। होलिका दहन की राख से महिलाऐं पिण्डी बनाकर उनकी पूजा करती है। फिर सात दिन बाद शीतला अष्टमी को सज धज कर कुम्हार के घर जाकर मिट्टी से बने ईसर व गणगौर को घर लाकर उनकी पूजा करती है।

मुख्यमंत्री सहित अनेक राजनेताओं व राजपरिवार सदस्यों ने मेवाड़ को दी श्रद्धांजली

बढ़ता राजस्थान

उदयपुर (नि.स.)। दिवंगत हुए राजपरिवार सदस्य अरविन्द सिंह मेवाड़ को आज मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित अनेक राजनेताओं व राजपरिवार सदस्यों ने श्रद्धासमन अर्पित किये। आज प्रात: मुख्यमंत्री शर्मा वायुयान से डबोक हवाई अड्डे पंहुचे, जहां से वे सीधे सिटी पैलेस स्थित शंभूनिवास जा कर स्व. अरविन्दसिंह मेवाड़ को श्रद्धांजली अर्पित की।

इसके अलावा आज राजसमन्द विधायक दीप्ति माहेश्वरी, राज्यवर्द्धनसिंह राठौड़,चित्तौड़गढ़ विधायक चन्द्रभानसिंह आक्या,शिवाजी के वशज और पूर्व राज्यसभा सदस्य संभाजी राजे व महिला एंव बालविकास राज्य मंत्री मंजू बाघमार भी शंभूनिवास पंहुच की स्व. मेवाड़ को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किये और उनके पुत्र लक्ष्यराजसिंह मेवाड़ को सांत्वना प्रदान की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चित्तौड़गढ़ में जौहर स्मृति संस्थान द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित किया, वीरता और बलिदान की गाथाओं को किया सम्मानित

जौहर स्मृति संस्थान द्वारा जौहर श्रद्धांजलि कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा - चित्तौड़गढ़ दुर्ग राष्ट्रीय अस्मिता और सनातन संस्कृति , भक्ति, शक्ति व त्याग का प्रतीक है

बढ़ता राजस्थान

चित्तौड़गढ़ (संजय खाबिया)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने चित्तौड़गढ़ में जौहर स्मृति संस्थान द्वारा आयोजित श्रद्धांजलि समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चित्तौड़गढ़ की धरती शक्ति, भक्ति, त्याग और तपस्या की तपोभूमि है। यहां कण-कण में वीरता की गाथाएं, पत्थर-पत्थर में इतिहास और कंकर-कंकर में बलिदान की प्रचंड आग धधक रही है।वीर-वीरांगनाओं का बलिदान हमें सिखाता है कि स्वतंत्रता और सम्मान से बढ़कर कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि आज हम यहां केवल श्रद्धांजलि देने नहीं आए हैं, बल्कि शौर्य और त्याग की भावना को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेने आए हैं। उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ़ दुर्ग राष्ट्रीय अस्मिता और सनातन संस्कृति का प्रतीक है। यह वह पवित्र भूमि है जहां क्षत्रिय वीर मर मिटने का अपना सौभाग्य मानते थे। मेवाड़ के राज्य चिन्ह में भी आदिवासी प्रतिनिधि का चित्र सामाजिक समरसता को दर्शाता है।

राणा सांगा थे वीर योद्धा, मातृभूमि की रक्षा के लिए दी प्राणों की आहुति : मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया मेवाड़ के वीरों से प्रेरणा लेती है लेकिन इस देश में कुछ ऐसे अराजक तत्व हैं जो अपने वीरों पर अंगुली उठाते हैं। वे भूल जाते हैं कि सूर्य को कलंकित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि राणा सांगा एक ऐसे योद्धा थे जिन्होंने अपनी मातृभूमि और सनातन धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। राणा सांगा का जीवन स्वतंत्रता, साहस और बलिदान का प्रतीक है। उन्होंने न केवल मेवाड़ की रक्षा की, बल्कि समस्त भारतवर्ष की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अराजक तत्वों द्वारा दिए गए बयान न केवल राणा सांगा का अपमान है, बल्कि उन सभी योद्धाओं का अपमान है, जिन्होंने सनातन धर्म और इस धरती की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। ऐसे लोगों को अपनी मानसिकता के लिए पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए।

ऐतिहासिक वैभव को संरक्षित करने का काम कर रही राज्य सरकार : श्री शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के ऐतिहासिक वैभव को संरक्षित करने का काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि चित्तौड़गढ़ संग्रहालय के उन्नयन के साथ महाराणा प्रताप टूरिस्ट सर्किट को भी धरातल पर उतारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीतामाता अभयारण्य, ऋषभदेव, गौतमेश्वर मंदिर, मातृ कुण्डिया सहित विभिन्न पर्यटक स्थलों को शामिल करते हुए 100 करोड़ रुपये व्यय कर ट्राइबल टूरिस्ट सर्किट विकसित किया जा रहा है। साथ ही, चित्तौड़गढ़ में संचालित लाईट एंड साउण्ड शो का उन्नयन, छतरंग मोरी-चित्तौड़गढ़ में रोपवे सुविधा देना, 7100 करोड़ रूपये की लागत से चित्तौड़गढ़ एवं भीलवाड़ा के बांधों को भरने सम्बन्धी कार्य किए जा रहे हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने जौहर साका स्मारिका का विमोचन तथा प्रतिभाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इससे पहले उन्होंने किले पर स्थित कालिका माता मंदिर में दर्शन भी किए। समारोह में उद्योग मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम दक, महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार, विधायक श्रीचंद कृपलानी, सुरेंद्र सिंह राठौड़, चंद्रभान सिंह आक्या, अर्जुन जीनगर, श्रीमहंत नारायण गिरी महाराज, जौहर स्मृति संस्थान अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा मुख्यमंत्री को पत्र प्रेषित कर नगर पालिका कपासन का सीमा विस्तार करने की मांग

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। नगर पालिका कपासन का सीमा विस्तार करने की मांग को लेकर क्षेत्रीय सामाजिक एवं आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र प्रेषित किया गया है। जानकारी अनुसार नगर पालिका कपासन का सीमा विस्तार करने की मांग के साथ आरटीआई कार्यकर्ता एवं व्यापार मंडल कपासन अध्यक्ष कोमल बारेगामा द्वारा मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा को पत्र प्रेषित किया गया है।उक्त प्रेषित पत्र में बारेगामा ने बताया कि नगर पालिका कपासन जिला चितौड़गढ़ विधानसभा मुख्यालय पर स्थित चतुर्थ श्रेणी नगर निकाय है।उक्त नगर निकाय के सर्वांगीण विकास हेतु नगरीय विकास विभाग द्वारा राजस्थान नगर सुधार अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुवे राज्य सरकार द्वारा मास्टरप्लान 2043 का ड्राफ्ट भी तैयार किया गया है।जिसमे वर्तमान नगर निकाय सीमा क्षैत्र में सम्मिलित राजस्व ग्राम कपासन, भूपालखेड़ा, बुद्धाखेड़ा, रंडियारड़ा संडियारड़ा,मूंगाना, विनोदाखेड़ा, ताराखेड़ी,दामाखेड़ा को सम्मिलित किया गया है। गौरतलब है कि उक्त मास्टरप्लान 2043 पूर्णतया लागू होने के बाद राजस्व ग्रामों में सम्मिलित समस्त राजकीय भूमि नगर पालिका कपासन के नाम राजस्व रिकार्ड में दर्ज हो जायेगी।जिससे ग्राम पंचायतों में सम्मिलित उक्त ग्रामों में विकास कार्य संपादन होने में तकनीकी समस्या बाधा बन सकती है। इधर वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा समस्त नगर निकायों एवं पंचायती राज संस्थाओं का पुनर्गठन एवं पुनर्निर्धारण किया जा रहा है।जिसके तहत आरटीआई कार्यकर्ता एवं व्यापार मंडल कपासन अध्यक्ष कोमल बारेगामा द्वारा मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा का ध्यानाकर्षित करते हुवे पत्र में आग्रह किया गया है कि नगर पालिका कपासन में रेलवे स्टेशन चमनपुरा नामक नई आबादी जो वर्तमान में दामाखेड़ा ग्राम पंचायत में सम्मिलित है।साथ ही नगर पालिका कपासन में सम्मिलित चमनपुरा नई आबादी मात्र 50 फिट दूरी पर स्थित है।जिसके कारण यहां दोहरी नागरिकता की संभावना को भी नकारा नहीं जा सकता।नवीन राजस्व प्लान 2043 में सम्मिलित कई राजस्व ग्रामों की आबादी भी नगर निकाय कपासन के सीमा से कुछ किलोमीटर की दूरी पर है।जिसके कारण भविष्य दृष्टिगत नगर पालिका कपासन का सीमा विस्तार करने की महत्ती आवश्यकता है।जिससे उक्त राजस्व ग्रामों को सड़क,नाली आदि विकास कार्यों सहित शहरी योजनाओं एवं सुविधाओं का लाभ मिल सके। इस प्रेषित पत्र के अंत में आरटीआई कार्यकर्ता एवं व्यापार मंडल कपासन अध्यक्ष कोमल बारेगामा द्वारा मुख्यमंत्री राजस्थान सरकार भजनलाल शर्मा से नगर पालिका कपासन का विस्तार करने हेतु संबंधित विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान कराने की मांग की गयी है।

5100 दीपक अखंड ज्योत आयोजन की तैयारी बैठक संपन्न

हिन्दू राष्ट्र की कामना करते हुए जाति और पंथ से ऊपर उठकर राष्ट्र व सनातन के लिए सदैव तत्पर रहें : महामंडलेश्वर हंसराम उदासीन

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा, (अमित शर्मा)। चैत्र प्रतिपदा नवरात्रि के अवसर पर, भारत में पहली बार माता वैष्णो देवी के दरबार गुफा के समक्ष 5100 दीपकों की अखंड ज्योत प्रज्वलित की जाएगी, जो पूरे नवरात्रि तक प्रकाशित रहेगी। यह भव्य आयोजन 30 मार्च से 6 अप्रैल 2025 तक हरी शेवा उदासीन आश्रम सनातन मंदिर में संपन्न होगा। संकट मोचन हनुमान मंदिर के महंत बाबू गिरी महाराज ने बताया कि महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन के सान्निध्य में हरी शेवा धाम में बैठक का शुभारंभ हुआ। इस आयोजन में श्रद्धालु विशाल गुफा में माता वैष्णो देवी दरबार

के दर्शन भी कर सकेंगे। महामंडलेश्वर हंसराम उदासीन ने कहा कि हिन्दू राष्ट्र की कामना करते हुए, संपूर्ण सनातन हिन्दू समाज को जात-पात से ऊपर उठकर संगठित होना चाहिए और अपने धर्म की रक्षा के लिए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि अखंड दीप प्रज्वलन से राष्ट्र में समृद्धि और शक्ति की ऊर्जा का संचार होता है तथा घर-परिवार में सुख-समृद्धि प्राप्त होती है। उन्होंने सभी हिन्दू समाज के पंच-पटेलों से महंत बाबू गिरी महाराज के पास अपना नाम लिखवानेऔर अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की। उन्होंने यह भी कहा कि महाकुंभ में जो दिव्य दृश्य प्रकट हुआ, वह निश्चित रूप से सनातन धर्म के लिए सकारात्मकता से परिपूर्ण है। बैठक में गजानंद बजाज, कन्हैयालाल स्वर्णकार, बद्रीलाल सोमानी, विजय ओझा, संजीव राठी, प्रहलाद सोनी, राजेंद्र सोनी, हीरालाल गुरनानी, जय गुरनानी, राजेश कुदाल, कन्नू जगत्यानी, कृष्ण कुमार बंसल, रामेश्वर इनाणी, रमेश बंसल, परमानंद गुरनानी, लक्ष्मण सिंह राठौड़, दुर्गालाल सोनी, एडवोकेट पवन पंवार, मुरली कोली, केशव सोनी, रमेश सभनानी, मंजू पोखरना, हेमन वच्छानी, पंकज आडवाणी, रामचंद्र मूंदड़ा सहित विभिन्न सामाजिक, धार्मिक एवं स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा पुलिस की प्रभावी कार्रवाई, इनामी अपराधी पुरण गुर्जर गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

भीलवाड़ा,(अमित शर्मा)। भीलवाड़ा पुलिस ने वाणिज्यिक मात्रा में गांजा सप्लाई करने के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी पुरण गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया है। वह थाना पुर के मामले में वांछित था और उस पर 10,000 रुपये का इनाम घोषित था। गिरफ्तारी से पहले वह करीब पांच महीने से पुलिस की पकड़ से बाहर था। पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन में विशेष टीम का गठन किया गया। इस टीम ने आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक पुलिसिंग के माध्यम से आरोपी को पकड़ने के लिए लगातार प्रयास किए। थाना सदर दौसा पुलिस के सहयोग से पुरण गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया गया। 16 अक्टूबर 2024 को थाना पुर प्रभारी दिलीप सिंह को सूचना मिली कि ग्राम कोटड़ी में दो संदिग्ध व्यक्ति, हिम्मत सिंह

(निवासी भादु) और किशन सेन (निवासी भगवानपुरा), भारी मात्रा में अवैध गांजा लेकर जा रहे हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 87 किलो 320 ग्राम गांजा बरामद किया। इस पर उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने गांजा पुरण गुर्जर से लिया था। इसके बाद पुलिस ने उसकी तलाश शुरू की। कई महीनों की मेहनत और तकनीकी निगरानी के बाद, पुलिस टीम ने दौसा पुलिस के सहयोग से पुरण गुर्जर को गिरफ्तार कर लिया। इस विशेष अभियान में साइबर सेल और डीएसटी भीलवाड़ा व दौसा की टीमों ने मिलकर काम किया। प्रमुख सदस्यों में आशीष मिश्रा, कालूराम, दीपक कुमार, पिंटू, बनवारी, असलम, घीसूलाल, जितेंद्र, पवन और प्रदीप कुमार शामिल थे।

सोने,चांदी के भाव को थोड़ा तो कम करवा दो साहब

लोक सभा स्पीकर से बोले स्वर्णकार समाज का शिष्टमंडल

बढ़ता राजस्थान

नैनवां,(टी.आर सैनी)। सोने,चांदी की आशासमान छू रही मंहगई से आम आदमी परेशान है। शादी के इस सीजन में मध्यम वर्ग का व्यक्ति सोने चांदी की ज्वैलरी खरीद करने से पूर्व कई बार सोचता है। फिर मजबूरी में ज्वैलरी खरीद करता है,वह भी अपना एंव अपनो का मन मार कर। सोने चांदी के बढ़ते भाव को लेकर स्वर्णकार समाज ने सरकारी नुमांइदो तक अवाज पहुॅचाई। बढ़ती रेट पर भारत सरकार द्वारा नियंत्रण किया जाने की मांग की गई। मंगलवार को बून्दी जिले से एक स्वर्णकार समाज का 15 सदस्य प्रतिनिधिमंडल लोक सभा स्पीकर से मिले एंव ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन में बताया कि भारत सरकार द्वारा जारी प्रधानमंत्री विश्वकर्म योजना में शामिल स्वर्णकार समाज चांदी-सोने के बढ़ते भाव से परेशान हैं। चांदी-सोने के भाव पर सरकार का नियंत्रण किया जाने की मांग की गई। समाज के छात्र-छात्राओं को छात्रवृत्ति दिलाने, स्वर्णकार समाज के कारीगरों को 10 लाख रुपए का बैंक से बिना गारंटी और बिना ब्याज ऋण उपलब्ध करवाने।20 लाख की लिमिट बनाई जाने। सहित अन्य मांगे रखी गई। प्रतिनिधिमंडल में डॉ.दीक्षांत सोनी सामाजिक कार्यकर्ता, भगवान सोनी, पुरुषोत्तम सोनी, चेतन सोनी, रामगोपाल सोनी, हरीश सोनी, हरिओम सोनी, योगेश सोनी, दीपक सोनी, सुरेश सोनी, मुरारी सोनी, बाबूलाल सोनी, पवन सोनी, सूरज सोनी, आदि शामिल हैं।

श्रमण संघीय महासाध्वियों का जयघोष नारों के साथ कपासन में मंगल प्रवेश

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। ऐतिहासिक चातुर्मास उपरांत श्रमण संघीय महासाध्वियों द्वारा सोमवार को नगर कपासन में श्रावक-श्राविकाओं के उपस्थिति में मंगल प्रवेश किया गया।जिसमे श्रावकों द्वारा उत्साहपूर्वक जयघोष नारे गुंजायमान रहे।

जानकारी अनुसार श्रमण संघीय महासाध्वियों द्वारा भीलवाड़ा काचीपुरम में ऐतिहासिक चातुर्मास आध्यात्मिक,आराधनामय,साधनामय,तपमय,जपमय रूप में संपन्न कर नगर कपासन में जयघोष नारों के साथ जुलूस रूप में मंगल प्रवेश किया गया।जिसमें साध्वी विश्व वंदना म.सा. एवं साध्वी डॉ. परमेष्ठी वंदना म.सा. आदि ठाणा 2 का श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति में भव्य मंगल प्रवेश हुआ।

इस दौरान श्रावक-श्राविकाओं द्वारा उत्साहपूर्वक जयघोष नारे गुंजायमान रहे। श्रमण संघ कपासन अध्यक्ष सूर्यप्रकाश सिरोया ने बताया कि युवा संघ अध्यक्ष राहुल हिगड,मंत्री अनील बापना,अविनाश दुग्गड़,सुनिल लोढा,कैलाश चण्डालिया,अर्पित सांवला,कपील बापना,गजेन्द्र ढीलीवाल,राकेश खाब्या,आशीष आंचलिया, रत्नेश चण्डालिया,संरक्षक शंकर लोढा,अनील बाघमार आदि श्रावको ने जयघोष नारो के साथ श्रमण संघीय महासाध्वियों का भव्य मंगल प्रवेश कराया।

इधर बुधवार प्रात: 9 से 10 बजे तक नगर कपासन में स्थित अंबेश भवन मे प्रवचन होगे।साथ ही सप्ताहभर आनंद ऋषी म.सा के स्मृति दिवस के उपलक्ष्य में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

पारंपरिक परिधानों में पूजार्चना कर महिलाओं ने दशामाता को लापसी-चावल का भोग लगाया

बढ़ता राजस्थान

कपासन (नि.स.)। दशामाता पर्व पर सोमवार को क्षेत्रीय महिला वर्ग ने पीपल के वृक्ष की पूजा-अर्चना कर दशामाता को लापसी का भोग लगाया।साथ ही श्रद्धालुओं द्वारा व्रत उपवास के साथ भी दशामाता की आराधना की गयी। जानकारी अनुसार दशामाता की पूजा-अर्चना हेतु महिला वर्ग अलसुबह उठकर सर्वप्रथम घर स्वच्छ किया जाता है।इसके बाद महिलाओं द्वारा पीपल के वृक्ष की पूजा-अर्चना की जाती है।क्योंकि श्रद्धालुओं का मानना है कि दशामाता का निवास पीपल में होता है। जिसके तहत उपखंड क्षेत्र कपासन में महिलाओं द्वारा पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर विविध पूजन सामग्री के साथ परंपरानुसार दशामाता की पूजा-अर्चना कर चहुंओर खुशहाली हेतु कामना की गयी।जिसमे क्षेत्रीय महिला वर्ग द्वारा पारंपरिक एवं आकर्षक परिधानों में सज-धजकर अपने समीपवर्ती पीपल वृक्ष स्थल पर कच्चा दूध,दही,फूल,माला,कंकू, लच्छा,चावल,मेहंदी आदि पूजन सामग्री के साथ दशामाता को लापसी एवं चावल का भोग लगाया गया।

उल्लेखनीय है कि दशामाता पूजन हेतु क्षैत्र में स्थित विभिन्न पीपल वृक्ष स्थलों पर महिलाओं का हुजूम बना रहा।साथ ही कई श्रद्धालुओं द्वारा व्रत-उपवास के साथ भी दशामाता की आराधना की गयी।

नगर पालिका कपासन ने अस्थाई सब्जी मंडी में बाधित आवागमन को सुगम किया

बढ़ता राजस्थान

कपासन (सुनील कुमार डमाड़ीया)। विशेष सफाई के अंतर्गत नगर पालिका प्रशासन द्वारा मंगलवार को दीवार तोड़कर सब्जी मंडी का नवीन द्वार संचालित करने सहित मुला माता मंदिर परिसर में साफ-सफाई कर स्वच्छता का संदेश दिया गया। नगर पालिका कपासन स्वास्थ्य निरीक्षक रेखा देवी कोदली ने बताया कि पालिका प्रशासन द्वारा क्षेत्रीय विधायक अर्जुनलाल जीनगर,नगर पालिका कपासन अध्यक्ष मंजुदेवी सोनी,नगर पालिका अधिशाषी अधिकारी ललित सिंह देथा एवं नगर पालिका कनिष्ठ अभियंता खेमराज गुर्जर के निर्देशन में संचालित विशेष सफाई अभियान के अंतर्गत नगर के मुख्य केंद्र पांच बत्ती चौराहा के समीप स्थित अस्थाई सब्जी मंडी में आवागमन बाधित होने एवं मुख्य मार्ग पर यातायात समस्या की सूचना पर नगर पालिका प्रशासन द्वारा उक्त मुख्य मार्ग किनारे एवं अस्थाई सब्जी मंडी के बाहर बनी दीवार को जेसीबी के माध्यम से तोड़कर नगर पालिका प्रशासन द्वारा सब्जी में आवागमन हेतु नवीन मार्ग खोला गया।

नैनवां के होनहार को राज्यपाल ने नवाजा पीएचडी से

परिवार में छाई खुशी की लहर, लोगो ने दी बधाई

बढ़ता राजस्थान

नैनवां,(टी.आर सैनी)। नैनवां शहर के खानपोल निवासी अमित कुमार ने पीएचडी मिली है। राज्यपाल द्वारा उसको दीक्षांत समारोह में नवाजा गया है। जैसे ही जनकारी मिली तो जांगिड़ के परिवार में खुशी का माहौल है। लोग परिवाजनो को बधाईया दे रहे है। राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय कोटा द्वारा 25 मार्च 2025 को चतुर्थ दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया था। जिसकी अध्यक्षता राज्यपाल, राजस्थान एंव कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने की। जिसमे अतिथि केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात के कुलपति प्रो रमा शंकर दुबे और राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एस के सिंह भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने अमित कुमार जांगिड को सिविल इंजीनियरिंग में पी एच डी की उपाधि प्रदान की। अमित कुमार जांगिड़ ने अपना शोध

आर टी यु के सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो कमलदीप सिंह ग्रोवर के निर्देशन में पूरा किया। इनके शोध का शीर्षक स्टेबिलाइजेशन ऑफ एक्सपेंसिव प्रोब्लेमैटिक सॉइल यूजिंग डिफरेंट वेस्ट मैटेरियल्स एंड एप्लीकेशन ऑफ आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस था।

गौतम समाज नवयुवक मंडल के चुनाव हुए संपन्न

बढ़ता राजस्थान

नैनवाँ (नि.स.)। नैनवां में श्रृंगी भवन में गौतम समाज नवयुवक मंडल के चुनाव संपन्न हुए। जिसमें अध्यक्ष पद पर जयप्रकाश शर्मा व कोषाध्यक्ष पद पर शिवनंदन शर्मा का निर्विरोध निर्वाचन हुआ।कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए। चुनाव आयोजन समिति के सदस्यों ने बताया कि ब्राह्मण गौतम समाज द्वारा सामाजिक व्यवस्थाओं को निर्बाध, सुनियोजित व्यवस्थित रूप से संचालित करने हेतु अध्यक्ष ,कोषाध्यक्ष ,सचिव के पदों पर चुनाव प्रक्रिया का आयोजन किया गया। जिसके तहत 25 मार्च को श्रृंगी भवन में चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाई गई। मतदान प्रक्रिया दोपहर 1ः00 बजे से प्रारंभ हुई। चुनाव को लेकर ब्राह्मण गौतम समाज के युवाओं, बुजुर्गों में अच्छा खासा उत्साह देखने को मिला। चुनाव प्रक्रिया के दौरान अध्यक्ष पद पर जयप्रकाश शर्मा व कोषाध्यक्ष पद पर शिवनंदन शर्मा एक-एक आवेदन प्राप्त हुए। जिसके चलते दोनों का निर्वाचन निर्विरोध संपन्न हुआ। तो वही सचिव के पद पर कृष्ण मुरारी शर्मा व बसंत कुमार शर्मा ने आवेदन प्रस्तुत किया। जिस पर सचिव पद को लेकर मतदान प्रक्रिया को संपन्न करवाया गया।जिसमें 18 मतों से बसंत कुमार शर्मा विजय रहे।जिसके पश्चात ब्राह्मण समाज के युवाओं ने शहर में नव निर्वाचित सदस्यों अध्यक्ष जय प्रकाश शर्मा ,कोषाध्यक्ष शिवनंदन शर्मा,सचिव बसंत कुमार शर्मा का विजय जुलूस निकाला।जिसके पश्चात श्रृंगी भवन में आगामी महर्षि गौतम जयंती , समाज विकास और उत्थान को लेकर सदस्यों के मध्य विस्तृत चर्चा का आयोजन किया गया। संपूर्ण चुनाव प्रक्रिया का आयोजन मुख्य चुनाव अधिकारी महेश नारायण शर्मा, छीतर लाल शर्मा,अरविंद शर्मा अमित शर्मा सहित अन्य सहयोगियों के सहयोग से संपन्न हुआ।

फर्जी एडीएम को मेहंदीपुर बालाजी थाना पुलिस ने किया गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

मेहंदीपुर बालाजी (भरत सिंह)। मेहंदीपुर बालाजी थाना पुलिस ने एक फर्जी एडीएम को गिरफ्तार किया है। वह बालाजी के दर्शनों के लिए खुद को एडीएम बताकर वीआईपी प्रोटोकॉल की मांग कर रहा था। जिस पर संदेह होने पर पुलिसकर्मियों ने पहचान पत्र मांगा तो पहले वह आनाकानी करने लगा और बाद में आईडी घर भूलने की बात कहते हुए उलझने लगा। जिसे पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की तब जाकर सच्चाई सामने आई। गिरफ्तार आरोपी यूपी के प्रयागराज का रहने वाला है, जिसे पुलिस ने शांतिभंग में गिरफ्तार किया है। थाना इंचार्ज गौरव प्रधान ने बताया कि सोमवार दोपहर एक युवक ने स्वयं को दिल्ली में एडीएम सिटी के पद पर तैनात होना बताते हुए बालाजी मंदिर में दर्शनों के लिए वीआईपी पास बनवाकर दर्शन करने और प्रोटोकॉल लेना चाहा। जिस पर पुलिसकर्मियों को संदेह होने पर आईडी कार्ड मांगा तो उसने दिखाने से मना कर दिया और बहस करने लगा। पुलिस कर्मियों से काफी देर तक बहसबाजी करने पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की तो भंडाफोड़ हो गया। पुलिस पूछताछ में खुद को एडीएम बताने वाले युवक ने भीड़ से बचने के लिए वीआईपी पास बनवाकर दर्शन करने की जुगत में झूठ बोली थी। ऐसे में पुलिस आरोपी पवन कुमार उर्फ वरुण पांडेय निवासी कनकपुर थाना हड़िया प्रयागराज यूपी को 170 बीएनएस में गिरफ्तार करने की कार्रवाई की है। थाना इंचार्ज ने बताया कि आरोपी को एसडीएम कोर्ट में पेश किया जाएगा।

सदर थाना पुलिस ने 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस के साथ एक आरोपी को किया गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। सदर थाना पुलिस ने एक कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस ने सीनियर सेकेंडरी स्कूल के पास से एक बदमाश को गिरफ्तार किया है।थाना प्रभारी देवेंद्र शर्मा के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान गावड़ा निवासी माधो सिंह मीना के रूप में हुई है। आरोपी के पास से 315 बोर का देशी कट्टा और एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया है।हैड कांस्टेबल भल्लू सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। टीम को सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध व्यक्ति स्कूल के आसपास हथियार के साथ घूम रहा है। पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया।थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ सदर थाने में आर्म्स एक्ट सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई में हैड कांस्टेबल भल्लू सिंह के अलावा ओमप्रकाश, प्रधान, हेमेंद्र सिंह और अमोल सिंह शामिल थे।

ब्लॉक शिक्षा अधिकारी का कनिष्ठ सहायक बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार

बढ़ता राजस्थान

जयपुर (का.स.)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की बीकानेर टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए कार्यालय मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी खाजूवाला जिला बीकानेर के कनिष्ठ सहायक चोरूराम को निलंबन अवधि का वेतन बनाने की एवज में बीस हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि एसीबी टीम बीकानेर को पीडित ने शिकायत दी कि उसकी निलम्बन अवधि का वेतन बनाने की एवज में ब्लॉक शिक्षा अधिकारी का कनिष्ठ सहायक चोरूराम 50 हजार रूपये की रिश्वत की मांग कर 30 हजार रूपये पूर्व में प्राप्त कर वर्तमान में 20 हजार रूपये और मांग रहा है। जिस पर एसीबी बीकानेर टीम के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महावीर प्रसाद शर्मा के नेतृत्व में ट्रेप की कार्रवाई करते हुए कनिष्ठ सहायक चोरूराम को बीस हजार रूपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है।

दुर्घटना में कार सवार कपासन निवासी युवक की मृत्यु एवं 3 घायल

बढ़ता राजस्थान

कपासन(नि.स.)। रात्रि में अचानक सड़क पर नीलगाय के आने से कार के अनियंत्रित होकर खाई में पलटी खाने से कार चालक की मौके पर मृत्यु हो गई।जबकि तीन अन्य युवक घायल हो गये। जानकारी अनुसार कपासन निवासी कन्हैयालाल जाट पिता रोशनलाल,करण प्रजापत पिता मोहनलाल, सुनील पूर्बीया तथा भदेसर निवासी विष्णु जाट सोमवार रात्रि को कार में बैठकर भुपालसागर जा रहे थे।मुंगाना ग्राम के समीप अचानक नीलगाय सड़क पर आ गई।

22 घंटे बाद किया धरना समाप्त, सोमवार की दोपहर में हुई थी किशोर की निर्मम हत्या

मुआवजा दिलवाने सहित अन्य मागों को लेकर बैठे थे धरने पर, विधायक वर्मा के आश्वासन के बाद धरना किया समाप्त

धरने पर बैठे रैगर समाज के लोगों से समझाइश करते विधायक वर्मा

परिजनों को सहायता राशि देते विधायक

बढ़ता राजस्थान

निवाई (का.स.)। सोमवार को नला रोड पर स्थित कच्ची बस्ती में एक किशोर की हुई निर्मम हत्या के बाद मंगलवार की सुबह आक्रोशित रैगर समाज के लोगों ने मृतक के परिजनों के साथ बस स्टैंड पर धरना दिया। सोमवार को किशोर की हत्या के बाद परिजनों ने मुआवजा दिलवाने व संविदा पर नौकरी दिलवाने की मांग करते हुए मृतक के शव को लेने से मना कर दिया था और अस्पताल में धरने पर बैठ गए थे। मंगलवार की सुबह 9 बजे बस स्टेण्ड पर रैगर समाज के आक्रोशित लोग परिजनों के साथ एकत्रित हुए और बीच सडक पर धरना देकर रास्ता जाम कर दिया। धरनार्थी पीड़ित परिवार को 50 लाख की आर्थिक सहायता, परिवार के एक सदस्य को संविदा पर नौकरी, आरोपियों को शीघ्र गिरफ्तार करने, घटना की पुनरावृर्ति को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम करने व सरकारी योजनाओं का लाभ दिलवाने की मांग कर रहे थे। रैगर समाज द्वारा धरना देने की सूचना मिलने पर एसडीएम सुरेशकुमार हरसोलिया, डीवाईएसपी मृत्युंजय मिश्रा, थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा व सदर थानाधिकारी हीरालाल वर्मा मौके पर पहुंचे। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने रैगर समाज के प्रतिनिधि मंडल व परिजनों से लगातार बातचीत कर समाधान ढूंढने का प्रयास किया। लेकिन कोई समाधान नही निकला। इसके बाद विधायक रामसहाय वर्मा, नगरपालिका अध्यक्ष दिलीप इसरानी व भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय पारीक मौके पर पहुंचे और धरनार्थियों से समझाइस की। प्रशासन ने धरनार्थियों को शीघ्र गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। मौके पर ही पीडित परिवार को सम्बल प्रदान करने के लिए विधायक रामसहाय वर्मा ने 51 हजार, पालिकाध्यक्ष इसरानी ने 51 हजार व भाजपा जिला उपाध्यक्ष अजय पारीक ने 51 हजार तथा रैगर समाज ने 1 लाख रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान की है। इस दौरान विधायक रामसहाय वर्मा ने प्रशासन से 10 दिवस में आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने पर स्वयं धरने पर बैठने की चेतावनी दी। इसके बाद करीब 22 घंटे बाद धरना समाप्त हो गया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करके शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। इस दौरान अखिल भारतीय महासभा के जिलाध्यक्ष शंकरलाल हाथीवाल के नेतृत्व में एसडीएम हरसोलिया को पांच सूत्रिय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

मृतक के पिता ने करवाया हत्या का मामला दर्ज : थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि उक्त मामले में मृतक के पिता कमलेश पुत्र पूरणमल रैगर ने मामला दर्ज करवाया है कि सोमवार की सुबह वह व उसकी पत्नि अलग-अलग जगह मजदूरी करने चले गए थे और उसकी दोनों पुत्रिया स्कूल चली गई थी। मकान की एक चाबी उसके पास व दूसरी चाबी उसकी पुत्री के पास रहती है। दोपहर करीब 3ः30 बजे उसकी पत्नि मील में मजदूरी करके घर आ गई और पास ही उसके पीहर चली गई। बच्चियों के स्कूल से आने पर घर ताला खोला तो आलमारी का ताला टूटा हुआ था और कपडे बिखरे हुए थे। उसकी पुत्री को कमरे में खुन फैला हुआ दिखाई दिया। उसने उसके पुत्र पंकज को देखा तो उसके सिर पर चोट के निशान थे।

महिलाओं ने सिर पर जल से भरे कलश व दुब के साथ 16 दिन की गणगौर सामूहिक पूजा

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। राजस्थान में गणगौर पर्व धुलण्डी से शुरुआत हो गई है। मंगलवार को महिलाओं ने सामूहिक रूप से गणगौर की पूजा-अर्चना की एसडीम कोर्ट के सामने महिलाएं सिर पर जल से भरे कलश और दूब लेकर पूजन स्थल पर पहुंचीं। उन्होंने भंवर पूजन और गणगौर के भजन गाते हुए विधिवत पूजा कीपूजन में शामिल पिंकी मंगल ने बताया कि गणगौर पर्व 16 दिनों तक चलता है। इस दौरान महिलाएं और बालिकाएं सज-धजकर पूजा करती हैं। यह पूजा घरों और बगीचों में सामूहिक रूप से की जाती है।

कार्यक्रम में ज्योति, पिंकी, रेणु, साबिता, बबीता, बुलबुल, वीणा, सुमन, रेणु, खुशबू, विरमा सहित अनेक महिलाएं मौजूद रहीं।

देवली में श्री व्यापार महा संगठन के लिए अध्यक्ष बनाने को लेकर विचार विमर्श शुरू हुआ

बढ़ता राजस्थान

देवली (गोविंद सिंह सेठी) । इन दोनों फिर से शहर में नवीन स्तर पर श्री व्यापार महासंघ का गठन,सदस्यता अभियान शुरू किया जा रहा है। अभी हाल ही में शहर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष चांदमल जैन के दिवंगत होने के पश्चात फिर से 20 मार्च को बुलाई गई थी ।उक्त बैठक में श्री व्यापार संघ हेतु नए अध्यक्ष पद के लिए फिलहाल आम सहमति नहीं बन पाई है। इसको लेकर शहर के व्यापारियों ने मंगलवार को बैठक बुलाई जिसमें सर्वसम्मति से नए व्यापार महासंघ के गठन का निर्णय लिया गया। तत्पश्चात शहर के व्यापारियों ने नए महासंघ श्री व्यापार मंडल का गठन करने का निर्णय लेकर सदस्यता अभियान शुरू कर दिया है। श्री व्यापार महासंघ से जुड़े दिनेश जैन ने बताया कि श्री व्यापार महा संगठन का निर्णय लेने के पश्चात शुरू किए गए सदस्यता अभियान में प्रथम दिन ही लगभग 115 व्यापारियों ने सदस्यता ग्रहण की है। इस अभियान के तहत देवली के सभी व्यापारियों से संपर्क कर सदस्य बनाए जाने का निर्णय लिया गया है । उक्त निर्णय के पश्चात सदस्यों की सहमति पर नए अध्यक्ष और पदाधिकारी की कार्यकारिणी घोषित की जाएगी। श्री व्यापार महासंघ के गठन का मुख्य करण 20 मार्च को व्यापार महासंघ की आयोजित बैठक में अध्यक्ष पद के लिए आम सहमति नहीं बनने के साथ-साथ ही बैठक के दौरान आपस में हुई नोंक झोंक के दौरान अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया था। इस पर बैठक में मौजूद कई व्यापारियों ने इसकी कड़ी निंदा की है।

दिव्यांग दंपति को फाइनेंस कंपनी वाले दे रहे जान से मारने की धमकियां

- पीड़ित परिवार ने प्रशासन से लगायी जीवन बचाने की गुहार
- पति पत्नी दोनों के दिव्यांग होने पर छूट की बात कहकर दिया था लोन

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। राज्य सरकार की ओर से मिलने वाली दिव्यांग पेंशन से अपनी आजीविका चलाने वाले गरीब दिव्यांग दम्पति व उनके छोटे बच्चों को निजी फाइनेंस कंपनी के कर्मचारियों द्वारा प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है।बूंदी के लोईचा ग्राम निवासी पीड़ित दिव्यांग पप्पूलाल बैरवा ने फाइनेंस कम्पनी की प्रताड़ना से परेशान होकर मंगलवार को राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक चर्मेश शर्मा से मदद मांगी। जिसके बाद शर्मा पीड़ित परिवार के साथ जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और एडीएम सुदर्शन सिंह तोमर को न्याय की मांग को लेकर ज्ञापन दिया। दिव्यांग पप्पूलाल बैरवा ने कहा कि राज्य सरकार की ओर से दोनों पति-पत्नी को मिलने वाली दिव्यांग पेंशन राशि से उनके परिवार का खर्चा चलता है और फाइनेंस कंपनी वाले उनके परिवार को धमकी देकर आत्महत्या के लिये मजबूर कर रहे हैं।

दोनो पति पत्नी है दिव्यांग : पप्पूलाल बैरवा ने बताया कि वह स्वयं और उसकी धर्मपत्नी सीमा दोनो जन्म से ही दिव्यांग है,सीमा मानसिक विमंदित भी है।दोनो के दो छोटे बच्चे है। दिव्यांग पप्पूलाल ने बताया कि लगभग चार वर्ष पहले दो अलग अलग फाइनेंस कंपनी वालो ने एजेंटों के माध्यम से हमें दोनों पति-पत्नी दोनों के दिव्यांग होने पर लोन में 50 प्रतिशत छूट और बिना ब्याज लोन देने की बात कहकर लोन दिया था।

उनके खुद के नाम तीन लाख व मानसिक विमंदित दिव्यांग पत्नी के नाम चार लाख रूपये का लोन दिया गया था।

फाइनेंस कंपनियों की मनमानी पर रोक लगे : राजस्थान बीज निगम के पूर्व निदेशक चर्मेश शर्मा ने बूंदी जिले में फाइनेंस कंपनियों और बैंकों के द्वारा मनमानी तरीके से लोगों के घरों पर ताला लगाकर महिलाओ व बच्चों को जबरन घर से बाहर निकालकर वसूली की प्रक्रिया पर सवाल उठाये हैं। शर्मा ने कहा कि कर्जदार की सजा उसके निर्दोष परिवार को नहीं दी जा सकती है। शर्मा ने मंगलवार को एडीएम सुदर्शन सिंह तोमर से कहा कि बूंदी जिले में पूर्व में भी तीरथ गाँव में दिव्या मीणा ने बैंक द्वारा मकान सीज करने पर आत्महत्या कर ली थी। लेकिन उसके बाद भी फाइनेंस कंपनी और बैंकों के द्वारा मनमाने तरीके से लोगों के मकान सीज कर महिलाओं और बच्चों को निर्दयतापूर्वक बेघर किया जा रहा है।

खाटू श्याम मंदिर में पापमोचनी एकादशी पर दर्शनों के लिए भक्तों की उमड़ी भीड़

बढ़ता राजस्थान

हिंडौन सिटी (अंशु गुप्ता)। हिंडौन सिटी श्री श्याम मंदिर सेवा धाम मोहन नगर में पापमोचनी एकादशी पर भक्तों की भीड़ उमड़ी मंदिर में बाबा श्याम का कई प्रकार के फूलों की मालाओं से श्रृंगार किया। मंदिर में सुबह मंगला आरती के दौरान भी काफी भीड़ रही। दूरदराज क्षेत्रों से डीजे के साथ पदयात्रा पहुंची। मंदिर के प्रवेश और निकास के लिए द्वार पर मंदिर कमेटी द्वारा सुरक्षा के प्रबंध किए गए। इस दौरान मंदिर श्याम बाबा के जयकारों से गूंज उठा। मंदिर के सभी मार्गों पर शाम तक श्रद्धालुओं की चहल पहल बनी रही। मंदिर के बाहर खेल खिलौने, प्रसाद की दुकानों पर जमकर भीड़ रही। श्रद्धालुओं ने श्याम बाबा, गिर्राजधरण और राधा कृष्ण की छवि के दर्शन कर खुशहाली की मनौती मांगी। माँदर परिसर फूलों से भर गया, सेवादार लगातार सफाई में जुटे रहे। श्याम बाबा की प्रतिमा कोकृष्णा शास्त्री दीपक पंडित अमन पंडित ने भिन्न-भिन्न रंग के कारनेशन फूल बेंगलुरु का गुलाब, कोलकाता का टाटा गुलाब, पुदीना, तुलसी, पीले रंगके पुष्पों की मालाओं से सजाया। बाबा श्याम के श्रृंगार दर्शन सुबह 5.30 बजे की मंगला आरती मे दर्शनों के लिए भक्तों की लगी रही भीड़।

गणगौर पर्व को लेकर मंदिर में बैठाए बंदियाक व बासन ला कर 7 दिन तक कई प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम का करेंगे आयोजन

बढ़ता राजस्थान

बूंदी (अनन्त दाधीच)। बूंदी के गुरु नानक कॉलोनी नीलकंठ महादेव की महिला मंडल ने आने वाली 31 मार्च को गणगौर पर्व को लेकर मंगलवार को मंदिर में बंदियाक बैठाए व बासन ला कर 7 दिन तक कई प्रकार के सांस्कृतिक आयोजन कर ईश्वर गणगौर की आराधना करेंगे ।

कार्यक्रम से जुड़ी संजू शर्मा व अनुराधा शर्मा, मीनाक्षी ने बताया कि शिव पार्वती के रूप में गणगौर पर्व मनाया जाता है सुहागिन महिलाएं सोलह सिंगार कर ईश्वर गणगौर की पूजा करती हैं। और अपने पति की लम्बी उम्र की कामना कर सुख समृद्धि की कामना करती हैं , इसी त्यौहार को लेकर 7 दिन तक महिला मंडल कई प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम करती हैं, और महिलाएं ईश्वर गणगौर बन कर नाटक की भूमिका निभाती है , और ईश्वर गणगौर से अपने पति की लंबी आयु की कामना करती हैं इसी के साथ सभी सखियां खूब आनंद लेती हैं। इसी दौरान कार्यक्रम से जुड़ी कमला , सुशीला, पद्मा, रेखा , बिट्टू गौतम , भावना गौतम, सुमन , संतोष, नीलू, कांता बाई , शांता बाई, इंद्रा, द्वारिका बैरागी , हेंकवर, पुष्पा, टीना, ललता कुमावत , धापू , सहित कई महिलाएं उपस्थित रही।

गोशाला में किए सेवा कार्य, आज होगा रक्तदान शिविर और नेत्रदान अंगदान देहदान जागरुकता अभियान का शुभारंभ

बढ़ता राजस्थान

रावतभाटा (संजय जेन)। समाज सेवी बालकिशन गुलाटी के जन्मदिवस के अवसर पर मंगलवार को गोशाला में गायों को हरा चारा ओर दलिया बनाकर खिलाया गया और आज बुधवार को पुराना बाजार वार्ड नंबर 8 स्थित पंजाबी धर्मशाला में रक्तदान शिविर का शुभारंभ सुबह 10.00 बजे किया जाएगा और साथ ही नेत्रदान अंगदान और देहदान जागरुकता अभियान भी चलाया जाएगा बालकिशन गुलाटी ने सभी का आभार जताया आज के कार्यक्रम में गो रक्षा कमांडो फोर्स के जिलाअध्यक्ष पहलाद जाट पार्षद कानाराम चारण मनीष गिरी दिनेश सेन कमल अरोड़ा विजय गुप्ता सिद्धार्थ वधवा विक्रम गोरे आशा महावर रंजना पुरोहित पूर्व पार्षद विद्यावती चौहान अभिषेक जैन गोखरु आनंद प्रकाश शर्मा भागीरथ राठौर नीरज कक्कड़ अरुण राठौर प्रकाश वधवा दीपक नकरा तारा मलिक भानु टेलर सुनील लखारा सतीश शर्मा धीरज वधवा नितिन मेहरा विकी जिंगर महेंद्र सिंह विजय अरोड़ा पंकज नकरा नरेन्द्र आहूजा पवन किलानिया लोकेंद्र राजावत लकी नायक राजदीप गौतम आदि लोग मौजूद थे।

इमरान @46

ऐश्वर्या को बताया प्लास्टिक

मल्लिका को बैड किसर :

एक्टर ने कहा था- महेश भट्ट ने मेरी हिट फिल्मों से खरीदा बड़ा घर

एक्टर इमरान हाशमी अपनी दमदार एक्टिंग के साथ-साथ विवादित बयानों को भी लेकर खूब सुर्खियों में रहे हैं। करण जौहर के शो 'कॉफी विद करण में इमरान बॉलीवुड की कई सेलिब्रेटी के बारे में विवादित बयान देकर चर्चा में आए थे। उनके बयानों को लेकर काफी आलोचना हुई थी। इस पर इमरान ने एक इंटरव्यू में सफाई देते हुए कहा था कि वो सब बस एक मजाक था। सारी बातें शो में मजाक-मजाक में कही गई थीं। उन्होंने रैपिड फायर राउंड में हैंपर जीतने के लिए जल्दबाजी में ऐसे जवाब दिए थे। आज इमरान हाशमी अपना 46वां जन्मदिन मना रहे हैं। इस मौके पर जानते हैं उनके जीवन से जुड़े कुछ रोचक किस्से और विवादित बयानों के बारे में...

रणबीर कपूर को लेडीज मैन बताया

एक्टर इमरान हाशमी ने करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' में इंडस्ट्री के कई पर सेलिब्रेटी के बारे में अपनी बेबाक राय रखी। जिसको लेकर बाद में काफी विवाद हुआ था। इस शो में इमरान ने रणबीर कपूर को लेकर विवादित बयान में कहा था - अब 'लेडीज मैन' वाला खेल खेलना बंद करें। इतना ही नहीं, उन्होंने कैटरीना कैफ को सुझाव दिया था कि वे रणबीर कपूर को छोड़ दें।

ऐश्वर्या राय बच्चन को प्लास्टिक बताया था

इमरान हाशमी ने जब ऐश्वर्या राय बच्चन को प्लास्टिक बताया था, उसे लेकर खूब बवाल मचा था। करण जौहर ने रैपिड फायर राउंड में इमरान हाशमी से पूछा था कि प्लास्टिक शब्द सुनकर उनके दिमाग में किस एक्टर या एक्ट्रेस का नाम आता है। इस पर इमरान हाशमी ने तुरंत ऐश्वर्या राय का नाम लिया था। इस पर ऐश्वर्या खासी नाराज हुई थीं। बाद में इमरान ने अपने इस बयान पर ऐश्वर्या से माफी भी मांगी थी। उनका कहना था कि वह रैपिड फायर राउंड जीतना चाहते थे, इसलिए जल्दबाजी में उन्होंने ऐश्वर्या का नाम ले लिया था।

ऐश्वर्या और करीना को चुराने की बात कही

इमरान हाशमी ने ऐश्वर्या राय बच्चन को सिर्फ प्लास्टिक ही नहीं बताया था, बल्कि उनको चुराने की भी बात कह दी थी। करण जौहर ने जब उनसे पूछा था कि वह अभिषेक बच्चन और सैफ अली खान से क्या चुराना चाहेंगे? इसके जवाब में इमरान हाशमी ने कहा था कि वह इनकी बीवियों यानी ऐश्वर्या राय बच्चन और करीना कपूर खान को चुरा लेंगे।

मल्लिका को बताया था बैड किसर

इमरान हाशमी ने अपनी को-एक्टर मल्लिका शेरावत को बैड किसर बताया था। उन्होंने कहा था कि मर्डर में मल्लिका के साथ किसिंग सीन करना अच्छा नहीं लगा था। इस बयान के बाद मल्लिका शेरावत और इमरान हाशमी के बीच अनबन की खबरें सामने आई थीं। माना जाता था कि इसके बाद से ही इन दोनों के बीच दूरियां बढ़ने लगीं और फिर ये दोनों कभी भी एक साथ नजर नहीं आए।

हालांकि, पिछले साल प्रोड्यूसर आनंद पंडित की बेटी की शादी के रिसेप्शन में इमरान और मल्लिका का रियूनियन हुआ। इस मुलाकात से दोनों के बीच सारे मनमुटाव खत्म हो गए। इमरान ने दोबारा मल्लिका के साथ काम करने की इच्छा जताई थी।

दीपिका पादुकोण के साथ इंटिमेट सीन करना चाहते हैं

'मर्डर 2' में इमरान हाशमी ने जैकलीन फर्नांडिस के साथ स्क्रीन शेयर किया था। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान सबसे यादगार सीन का जिक्र करते हुए इमरान हाशमी ने जैकलीन के साथ किसिंग सीन को बताया था। इसके बाद करण जौहर ने जब इमरान से पूछा कि बॉलीवुड की एक ऐसी एक्ट्रेस जिसके साथ उन्होंने काम नहीं किया है और वह उनके साथ इंटिमेट सीन करना चाहते हैं तो इमरान ने बिना देर किए दीपिका पादुकोण का नाम लिया था।

- **महेश भट्ट को कहा कि मेरी हिट फिल्मों से बड़ा घर खरीदा**

इमरान हाशमी को उनके मामा महेश भट्ट ही फिल्मों में लेकर आए। इमरान ने अपने करियर में सबसे ज्यादा महेश भट्ट की फिल्में की हैं। इमरान ने महेश भट्ट को कहा था कि उनकी हिट फिल्मों की वजह से भट्ट साहब ने बड़ा घर खरीदा है। इमरान के इस बयान से महेश भट्ट नाराज हो गए थे। इससे पहले महेश भट्ट और इमरान के बीच अनबन फिल्म 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई की शूटिंग से पहले ही शुरू हो गई थी।

- **महेश भट्ट ने फिल्म करने से मना किया था**

'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई इमरान हाशमी के करियर की बेहतरीन फिल्मों में से एक है। 2010 में रिलीज हुई इस फिल्म में इमरान हाशमी ने शोएब खान का किरदार निभाया था। इमरान का यह किरदार अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से प्रेरित था। महेश भट्ट ने इमरान को इस तरह का नकारात्मक किरदार निभाने से मना किया था। उन्हें फिल्म की कहानी को लेकर चिंता थी, जिससे उन्हें इमरान के करियर पर गलत प्रभाव पड़ने का डर था। महेश भट्ट ने इमरान से कहा था कि अगर यह किरदार करोगे, तो करियर खत्म हो जाएगा। हालांकि, एक्टर ने इसके बावजूद वह किरदार निभाया और वह एक यादगार भूमिका बन गई।

इमरान पर महेश भट्ट ने डेट्स ना देने का आरोप लगाया

बताया जाता है कि 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई के दौरान उपजे विवाद की वजह से महेश भट्ट की फिल्म 'मिस्टर एक्स' पर असर पड़ा था। जब महेश भट्ट, इमरान हाशमी के साथ फिल्म 'मिस्टर एक्स' बना रहे थे, तब दोनों के बीच का विवाद सार्वजनिक तौर पर सामने आ गया था। महेश भट्ट की 'मिस्टर एक्स' के दौरान इमरान हाशमी 'राजा नटवरलाल' की शूटिंग भी कर रहे थे। महेश भट्ट का कहना था कि इमरान उनकी फिल्म को ज्यादा वक्त नहीं दे रहे हैं, जिसके कारण फिल्म की शूटिंग में देरी हो रही है। वहीं, इसी दौरान महेश भट्ट ने इमरान हाशमी को लेकर ये भी कह दिया था कि उन्होंने ही इमरान को बॉलीवुड में स्थापित किया है और वो उन्हें ही वक्त नहीं दे रहे हैं।

इमरान ने कंगना रनोट पर साधा था निशाना

इमरान हाशमी ने नेपोटिज्म मुद्दे पर कंगना रनोट पर निशाना साधा था। दरअसल, कोविड और सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बॉलीवुड में नेपोटिज्म के मुद्दे पर बड़ी बहस छिड़ गई थी। कंगना नेपोटिज्म को लेकर हमेशा से मुखर रही हैं और आउटसाइडर्स के लिए आवाज उठाती रही हैं। इमरान ने कंगना के नेपोटिज्म के दावों पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। इमरान ने कहा था- मैं कंगना को काफी पसंद करता हूं। एक बेहतरीन एक्ट्रेस होने के साथ-साथ वह एक अच्छी इंसान भी हैं। इंडस्ट्री में शायद उसका एक्सपीरियंस अच्छा ना रहा हो। मैंने उसके साथ एक हिट फिल्म 'गैंगस्टर' दी है। उस फिल्म में मुझे एक विलेन का किरदार मिला था, लेकिन कंगना लीड रोल में थीं। वह फिल्म पूरी तरह से वुमन सेंट्रिक थी। जबकि कंगना उस वक्त इंडस्ट्री में नई आई थीं। ऐसे में मुझे ये समझ नहीं आ रहा कि ये नेपोटिज्म वाला मुद्दा क्यों आया?

इमरान को अमीषा पटेल ने फिल्म से निकलवा दिया था

इमरान हाशमी का ताल्लुक भले ही फिल्मी परिवार से है, लेकिन उन्होंने अपने टैलेंट के बल पर इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। फुटपाथ से पहले इमरान 2001 में फिल्म 'ये जिंदगी का सफर' से एक्टिंग की शुरुआत करने वाले थे, लेकिन उन्हें फिल्म से निकाल दिया गया था। दरअसल, इस फिल्म के लिए अमीषा पटेल को फाइनल किया जा चुका था। उस समय अमीषा 'कहो ना प्यार है' की सक्सेस के बाद काफी मशहूर हो चुकी थीं और उसी साल उनकी सनी देओल के साथ 'गदर' रिलीज होने वाली थी। अमीषा ने इमरान के साथ फिल्म में काम करने से इनकार कर दिया था। अमीषा चाहती थीं कि इमरान की भूमिका के लिए किसी अनुभवी एक्टर को लिया जाए। फिर इमरान की जगह फिल्म में जिम्मी शेरगिल को कास्ट किया गया। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुई।

बिपाशा बसु ने इमरान के साथ काम करने से इनकार कर दिया था

बिपाशा बसु ने फिल्म 'फुटपाथ' में इमरान हाशमी की बहन का किरदार निभाया था। जब 'मर्डर 2' में इमरान के साथ बिपाशा को साइन करने की बात आई, उस वक्त बिपाशा ने इमरान को खुद से कम आंकते हुए फिल्म में काम करने से इनकार कर दिया था।

सेक्रेड गेम्स एक्ट्रेस एलनाज को मिली धमकी

प्राइवेट फोटोज भेजकर ब्लैकमेलर ने लिखा, रिप्लाई नहीं दिया तो लीक कर दूंगा, साइबर सेल से ली मदद

सेक्रेड गेम्स, तेहरान, जुग जुग जियो जैसी सीरीज और फिल्मों में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस एलनाज नोरौजी को हाल ही में उनकी प्राइवेट फोटोज लीक करने की धमकी मिली थी। मेल पर एक्ट्रेस को उनकी कुछ प्राइवेट फोटोज भी भेजी गई थीं, जिसके बाद उन्होंने साइबर सेल में इसकी शिकायत दर्ज करवाई है। इस मामले में स्विटजरलैंड से एक शख्स की गिरफ्तारी हुई है। हाल ही इंटरव्यू में एलनाज नोरौजी ने बताया है कि दिक्कतें तब शुरू हुईं, जब उन्होंने जनवरी में अपना मेल ओपन किया। उस इमेल की सब्जेक्ट लाइन में उनके ई-मेल का पासवर्ड लिखा हुआ था, जिससे वो घबरा गईं। उस मेल में उनकी कुछ प्राइवेट तस्वीरों के साथ धमकी दी गई थी। लिखा गया था कि अगर वो मेल का जवाब नहीं देतीं तो उनकी तस्वीरें ऑनलाइन पोस्ट कर लीक कर दी जाएंगी। एलनाज ने आगे बताया है कि मेल मिलते ही उन्होंने तुरंत साइबर क्राइम सेल में इसकी शिकायत दर्ज करवाई थी। साइबर सेल की जांच में सामने आया है कि वो मेल स्विट्जरलैंड के सर्वर से भेजा गया था। लेकिन इससे जुड़े किसी शख्स की जानकारी सामने नहीं आ सकी है, क्योंकि सर्वर पर यूजर की इन्फॉर्मेशन नहीं है। वो अकाउंट बंद कर दिया गया है हालांकि एलनाज को अब भी डर है कि कहीं उन्होंने दोबारा मेल न आए।

अननोन लिंक पर क्लिक करने से फोन हैक होने का अनुमान

जांच के दौरान साइबर सेल द्वारा एलनाज से पूछा गया था कि क्या हाल-फिलहाल में उन्होंने किसी अनजान लिंक पर क्लिक किया है। इस पर एक्ट्रेस ने बताया कि कुछ दिनों पहले उनके पास एक मैसेज आया था, जिस पर दी गई लिंक पर उन्होंने क्लिक किया था। साइबर सिक्योरिटी टीम ने इस पर साइबर सिक्योरिटी के लिए उनकी डिवाइस के पासवर्ड बदलकर रीसेट करवाया है।

एलनाज को है प्राइवेट फोटोज लीक होने का डर :

बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया है कि उन्हें लगातार डर है कि कहीं उनकी प्राइवेट फोटोज लीक न हो जाएं। उन्हें लगता है कि उनसे प्राइवेसी छीन ली गई है। कोई हर वक्त उन पर नजर रख रहा है। एंग्जाइटी से निकलने के लिए वो थेरेपी भी ले रही हैं।

शाहरुख-सलमान के लिए गाया गाना, म्यूजिक डायरेक्टर-गीतकार से मिलते हैं एक्टर्स

हम बस उनके लिए गाते हैं : देव नेगी

सलमान खान की फिल्म 'सिकंदर' के दो गाने 'जोहरा जबीन' और 'बम बम भोले' इन दिनों यूट्यूब पर खूब ट्रेंड कर रहे हैं। इन गानों को गाने वाले सिंगर देव नेगी ने हाल खास बातचीत की। इस दौरान उन्होंने फिल्म 'सिकंदर' के गाने और करियर समेत पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा की।

फिल्म 'सिकंदर' के गानों के बारे में बताएं?

यह फिल्म और इस फिल्म के गाने मेरे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। इस फिल्म के मेरे दो गाने 'जोहरा जबीन' और 'बम बम भोले' रिलीज हो चुके हैं। जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। इस फिल्म के गाने के लिए पूरा श्रेय संगीतकार प्रीतम दा को देना चाहूंगा। सलमान भाई के लिए पहले भी मैं फिल्म 'ट्यूबलाइट' और 'किक' में गा चुका हूं।

फिल्म में गाने का मौका कैसे मिला?

प्रीतम दा से मेरी मुलाकात फिल्म 'ट्यूबलाइट' के दौरान हुई थी। प्रीतम दा ऐसे लड़के की तलाश कर रहे थे जो कुमाऊनी जानता हो। मेरे एक राइटर मित्र मनोज यादव ने प्रीतम दा को मेरे बारे में बताया था। मेरे यहां फूल देही का एक त्योहार होता है। उसी पर मैंने चार लाइन लिखी और उसी गाने को गाया। इस फिल्म से प्रीतम दा के कैंप में मेरी एंट्री हो गई। प्रीतम दा के साथ मैं कुछ ना कुछ काम करता रहता हूं। 'जब हैरी मेट सेजल' में एक गाना 'बटरफ्लाई' गाया था, जो शाहरुख सर पर फिल्माया गया था। फिर उनके लिए 'छिछोरे' और 'चंदू चैंपियन' में गाया। यह सिलसिला बढ़ते-बढ़ते 'सिकंदर' तक आ पहुंचा। अभी आगे और भी अच्छे-अच्छे प्रोजेक्ट हैं।

सलमान खान से कभी मुलाकात हुई, अपने गानों को लेकर कभी कोई सुझाव दिया हो?

सलमान भाई से मेरी मुलाकात फिल्म 'लव यात्री' की म्यूजिक लॉन्च के दौरान हुई थी। उस समय फिल्म के सभी सिंगर थे। सलमान भाई म्यूजिक लॉन्च इवेंट की मेजबानी कर रहे थे। उस समय सिर्फ हाय हैलो तक बात हुई थी, लेकिन अभी तक उनसे ऐसी मुलाकात नहीं हुई, जिससे किसी गाने पर उन्होंने अपना कुछ सुझाव दिया हो। उम्मीद करते हैं कि सलमान भाई से जल्दी मुलाकात हो। उनको मिलना भी होता है तो म्यूजिक डायरेक्टर और गीतकार से मिलते हैं। हम तो यही सोचते हैं कि उनकी स्टाइल में किस तरह से गाना है।

करियर का टर्निंग पॉइंट कौन सा सॉन्ग था?

'बद्रीनाथ की दुल्हनिया' का टाइटल ट्रैक सॉन्ग मेरे करियर का टर्निंग पॉइंट सॉन्ग था। यह फिल्म 2017 में रिलीज हुई थी। वह साल मेरे करियर का सबसे अच्छा साल रहा है। उसी साल फिल्म 'जुड़वां 2' का 'टन टना टन, 'बरेली की बर्फी' की का सॉन्ग 'स्वीटी तेरा ड्रामा, 'जब हैरी मेट सेजल' का सॉन्ग 'बटरफ्लाई' रिलीज हुई थी। 2017 मेरे करियर के लिए सबसे अच्छा साल रहा है।

बहुत ही चैलेंज रहता है। जुड़वां(1997) में 'टन टना टन' सॉन्ग को अभिजीत सर ने गाया था। जिस गाने को बचपन से सुनते आ रहे हैं। उसे अपनी आवाज में गाना बहुत बड़ा चैलेंज होता है, लेकिन हमारी कोशिश यही रहती है कि उस गाने में सिंगर की झलक ना दिखे। हालांकि यह बहुत मुश्किल काम होता है।

RNI NO. RAJHIN/2013/52026
POSTAL REG NO. TONK/49/2022-24
दैनिक बढ़ता राजस्थान

जयपुर में राणा सांगा को गद्दार कहने पर विरोध

बजरंग दल- विश्व हिंदू परिषद ने रामजीलाल सुमन का पुतला फूंका, कहा- माफी मांगे सपा सांसद

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद ने छोटी चौपड़ पर विरोध प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद रामजीलाल सुमन द्वारा महाराणा सांगा को गद्दार कहने का विरोध जताया गया। कार्यकर्ताओं ने सांसद का पुतला भी फूंका। विरोध कर रहे लोगों को कहना था कि रामजीलाल सुमन ने निर्लज्जता की पराकाष्ठा की है। तुष्टिकरण के लिए देशभक्ति और महापुरुषों लांछित, निदित एवं अपमानित किया जाना पतन की परिसीमा है। संसदीय मर्यादाओं के इस बेशर्म उल्लंघन की विश्व हिंदू परिषद जयपुर प्रांत कड़ी भर्त्सना करती है। बजरंग दल महानगर संयोजक दीपक राज सिंह ने कहा- सांसद रामजीलाल सुमन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करते हुए सांसद पद से हटाकर आपराधिक मुकदमा चलाकर दंडित कराया जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार का व्यवहार कोई जनप्रतिनिधि नहीं कर पाए। इसके लिए राज्यसभा और उपराष्ट्रपति ने नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। वहीं सांसद रामजीलाल सुमन ने माफी नहीं मांगी तो देशभर में एक साथ विरोध प्रदर्शन कर भारत बंद का आह्वान किया जाएगा।

बता दें कि 22 मार्च को राज्यसभा में सुमन ने महाराणा सांगा पर विवादित टिप्पणी की थी। महाराणा सांगा मेवाड़ के महान शासक थे। वे 1509 में 27 वर्ष की उम्र में मेवाड़ की गद्दी पर बैठे। उनका राज्य दिल्ली से गुजरात के ईडर तक और मारवाड़ से मालवा, ग्वालियर तक फैला था।

एक साथ चुनाव होने पर एक बार चंदा देना पड़ेगा : बीजेपी के राष्ट्रीय महामंत्री बोले- कोई लोकसभा चुनाव हार गया तो विधानसभा लड़ लेता है; इनसे मुक्ति मिलेगी

जयपुर। बढ़ता राजस्थान

वन नेशन-वन इलेक्शन अभियान के तहत जयपुर आए भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने कहा- देश में एक साथ चुनाव होने से राजनीति में युवाओं को ज्यादा मौके मिलेंगे। अभी कोई लोकसभा चुनाव में जीत जाता है तो अपने बेटे को विधानसभा चुनाव लड़ा देता है। अगर खुद लोकसभा चुनाव हार गया तो फिर से विधानसभा चुनाव लड़ लेता है। एक फायदा व्यापारी वर्ग को भी होगा। उन्हें पांच साल में एक बार ही चंदा देना पड़ेगा। सुनील बंसल मंगलवार को पंचायतीराज संस्थान में एक राष्ट्र एक चुनाव अभियान को लेकर युवा, छात्र और नव मतदाता संवाद कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा- अगर एक बार चुनाव होगा तो कम से कम इन बातों से तो मुक्ति मिलेगी और नए लोगों को अवसर ज्यादा मिलेंगे।

व्यवस्था में बदलाव का विरोध हमेशा होता है

सुनील बंसल ने कहा कि व्यवस्था में बदलाव का विरोध हमेशा होता है। विरोध करने वाले लोग वही होते हैं, जिन्हें उस व्यवस्था से लाभ हो रहा होता है। कांग्रेस एक परिवारवादी पार्टी है। इन्हें लगता है कि इनके सारे नेता तो इसी तरह के है। इसलिए यह इनके लिए सबसे बड़ा खतरा होगा।

व्यापारियों को एक बार चंदा देना पड़ेगा

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा- वन नेशन-वन इलेक्शन लागू होने के बाद एक फायदा व्यापारी वर्ग को भी होगा। उन्हें पांच साल में एक बार ही चंदा देना पड़ेगा। अभी उन्हें पांच साल में पांच बार चंदा देना पड़ता है। हर चुनाव में सहयोग करना पड़ता है। उनके पास चुनाव लड़ने वाले भी जाते हैं, लोग भी जाते हैं। वन नेशन वन इलेक्शन के बाद हर बार चंदा देने का झंझट भी खत्म हो जाएगा।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन की तैयारी : मुस्लिम लॉ बोर्ड 26 मार्च को पटना, 29 को विजयवाड़ा में रैली करेगा

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) देशभर में प्रदर्शन करेगा। संगठन ने 17 मार्च को दिल्ली के जंतर-मंतर पर बिल के विरोध में प्रदर्शन किया था। कल यानी 26 मार्च को पटना और 29 मार्च को आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में प्रदर्शन की तैयारी है। प्रदर्शन में एआईएमपीएलबी, विभिन्न धार्मिक व सामाजिक संगठनों के राष्ट्रीय और प्रांतीय प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। साथ ही सिविल सोसाइटी, अल्पसंख्यक समुदायों के प्रमुख प्रतिनिधि, दलित, आदिवासी और ओबीसी वर्गों के नेता भी इस प्रदर्शन में शामिल होंगे। भाजपा सांसद और वक्फ संशोधन विधेयक के लिए बनाई गई जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने मंगलवार को कहा कि सरकार ज्यादा से ज्यादा लोगों के फायदे के लिए बिल में संशोधन कर रही है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी देश को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं।

नीतीश-चंद्रबाबू हटे तो गिर जाएगी मोदी सरकार बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार है। वहीं आंध्र प्रदेश में भी एनडीए खेमे के चंद्रबाबू नायडू मुख्यमंत्री हैं। दोनों पार्टियों के बलबूते ही केंद्र की सरकार चल रही है।

जैसलमेर में पाकिस्तानी जासूस पकड़ा : सेना के क्षेत्र के वीडियो और फोटो भेजने का शक; पाकिस्तान जाकर आया था

बढ़ता राजस्थान

जैसलमेर। जैसलमेर के मोहनगढ़ नहरी इलाके से सुरक्षा एजेंसियों ने एक पाकिस्तानी जासूस को पकड़ा है। पकड़े गए जासूस पर भारत की खुफिया जानकारियां पाकिस्तान भेजने का शक है। सुरक्षा एजेंसियों ने पुलिस के साथ मिलकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। पकड़ा गया जासूस पठान खान (40) निवासी करमो की ढाणी, चांधन जैसलमेर है। जिसे सोमवार देर रात 3 बजे नहरी इलाके की जीरो आरडी से पकड़ा है। सुरक्षा एजेंसियां पठान खान से पाकिस्तान भेजी गई खुफिया जानकारियों को लेकर पड़ताल कर रही है।

आर्मी क्षेत्र के वीडियो-फोटो भेजने का शक

पठान खान के रिश्तेदार पाकिस्तान में रहते हैं। पठान खान साल 2019 में पाकिस्तान भी जाकर आया था। इसके बाद से वह लगातार पाकिस्तान सूचनाएं भेज रहा था। शक के चलते सुरक्षा एजेंसियां भी उस पर नजर बनाए हुई थी। सूत्रों के अनुसार मोहनगढ़ नहरी इलाके के जीरो आरडी में पठान खान का खेत है। पिछले काफी समय से पठान खान आर्मी क्षेत्र के वीडियो और फोटो पाकिस्तान भेज रहा था। सुरक्षा एजेंसियां उसके मोबाइल की जांच कर रही है। जैसलमेर में 18 मार्च की शाम को भारत-पाकिस्तान सीमा क्षेत्र के नाचना थाना इलाके के नूर की चक्की के पास पुलिस ने संदिग्ध अवस्था में युवक को पकड़ा था।

बीजेपी-आरएसएस के हारे हुए नेताओं ने गदर मचाया : डोटासरा

कहा : राठौड़, तिवाड़ी और चतुर्वेदी की कमेटी अफसरों को बुलाकर डांटती है, सरकार को हाईजैक किया

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने पंचायत और निकायों के परिसीमन पर सवाल खड़े किए हैं। डोटासरा ने कहा- परिसीमन के लिए मंत्रियों की कमेटी बनाई, लेकिन उसकी एक बार भी बैठक नहीं हुई। बीजेपी ने अपने स्तर पर राजेंद्र राठौड़, घनश्याम तिवाड़ी और अरुण चतुर्वेदी की एक कमेटी बना रखी है। यह कमेटी ओटीएस में बैठकर अफसरों को बुलाती है। उन्हें मनमर्जी से गांवों और वार्डों की सीमाएं बदलने के लिए डांटती है। बीजेपी-आरएसएस के हारे हुए नेताओं की इस कमेटी ने गदर मचा रखा है। डोटासरा ने कहा- कमेटी ने पूरी सरकार को हाईजैक कर लिया है। तीनों नेता अफसरों को आदेश दे रहे हैं। मुस्लिम वार्ड है तो बंटवारा कर दो, ताकि पहले जहां 3 वार्ड थे। वहां एक या दो हो जाएं। जहां बीजेपी के वोटर हैं, उस हिसाब से वार्डों में तोड़फोड़ कर उनकी संख्या बढ़ाई जा रही है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत में डोटासरा ने कहा- बीजेपी की यह कमेटी ही असली काम कर रही है। मर्जी से पंचायतों में तोड़फोड़ कराने के आदेश दे रहे हैं। बीजेपी का प्रधान और अध्यक्ष कैसे बन सकता है। इसलिए मनमाने तरीके से पंचायत समितियां, वार्ड बनाने के आदेश दे रहे हैं।

ईओ, एसडीएम, कलेक्टर कमेटी के आगे नतमस्तक, डिस्पैच बाबू बने हुए हैं

डोटासरा ने कहा- सरकार ने पूरी तरह आंखें मूंद रखी है। ईओ, एसडीएम, कलेक्टर इस राजनीतिक कमेटी के आगे नतमस्तक हैं। ये इस कमेटी के सामने डिस्पैच बाबू की तरह काम कर रहे हैं।

पोपाबाई का राज है, हारे हुए नेताओं की कमेटी बनाकर कानून का उल्लंघन

पीसीसी चीफ ने कहा- पार्टी अपने स्तर पर कमेटी बनाए, किसी को ऐतराज नहीं है। वो कमेटी कलेक्टर, एसडीएम को आदेश नहीं दे सकती। यह पोपाबाई का राज है। मुख्यमंत्री मंद-मंद मुस्करा रहे हैं कि जो हो रहा है, ठीक हो रहा है। बीजेपी और आरएसएस के कहे अनुसार तोड़फोड़ की जा रही है। हर पंचायत को डिस्टर्ब किया जा रहा है। बीजेपी-आरएसएस के हारे हुए नेताओं की कमेटी बनाकर कानून का उल्लंघन कर रहे हैं।

राज्य निर्वाचन आयोग में रीढ़ की हड्डी ही नहीं

डोटासरा ने कहा- जनता के हितों के विपरीत काम नहीं होने देंगे। कांग्रेस इस मनमानी का पुरजोर विरोध करेगी। कांग्रेस इसे लेकर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट तक भी जाना पड़ा तो जाएगी। हम इस मुद्दे को लेकर राज्यपाल, राज्य निर्वाचन आयोग से भी मिलेंगे। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा- राज्य निर्वाचन आयोग में रीढ़ की हड्डी ही नहीं है, जो वो सरकार को कुछ कह सके। भरतपुर जिला प्रमुख का चुनाव डेढ़ साल से अब तक नहीं हुआ। वहां के जिला प्रमुख जगत सिंह विधायक बन चुके हैं, तब से खाली है। हम गंभीरता से सोच रहे हैं कि अगर हमें हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े, हम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाएंगे। हमें परिसीमन से आपत्ति नहीं, लेकिन परिसीमन चुनाव से 6 महीने पहले ही हो जाना चाहिए था।

पेपर लीक में क्या कोई भी अफसर दोषी नहीं

गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा- पेपर लीक करने वालों के खिलाफ कार्रवाई हो, इसमें कोई दिक्कत नहीं है। क्या कोई अधिकारी इसमें दोषी नहीं है? नेताओं पर यह टिप्पणी कर रहे हैं। अगर उनकी कोई जिम्मेदारी है तो कार्रवाई करें। केवल बयान ही क्यों देते हैं? जो लोग जिम्मेदार पदों पर थे, जिनकी जिम्मेदारी थी, वो ब्यूरोक्रेट भी लपेटे में आने चाहिए। 50 थानेदार अगर जेल में जा रहे हैं। क्या किसी आईपीएस या सिपाही का कोई दोष नहीं है? इसको और ज्यादा गहराई के साथ सरकार को लेना चाहिए। पेपर लीक माफिया शिकंजे में आएं। कड़ी कार्रवाई हो, यही हमारा उद्देश्य होना चाहिए। जो पूर्व नेता प्रतिपक्ष, केंद्रीय मंत्री आरपीएससी को भंग करने की बात कर रहे थे। डेढ़ साल निकलने के बाद भी ऐसा कुछ नहीं किया। पॉलिटिकल आरोप लगाकर अपनी खाल नहीं बचाई जा सकती। बदनाम करके सत्ता तो ले सकते हो, लेकिन सत्ता में आने के बाद आपकी जवाबदेही तय होती है कि आप क्या कर रहे हो।

फेसबुक और इंस्टाग्राम 3 घंटे डाउन रहा

यूजर्स को लॉग-इन और कमेंट पोस्ट करने में परेशानी आई

बढ़ता राजस्थान

नई दिल्ली (एजेंसी)। टेक कंपनी मेटा के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम और फेसबुक मंगलवार (25 मार्च) को भारत में शाम 6.30 से 9.30 बजे तक डाउन रहे। इस दौरान डाउनडिटेक्टर में आउटेज की कई शिकायतें दर्ज की गईं। अब यूजर्स दोनों प्लेटफॉर्म्स को इस्तेमाल कर पा रहे हैं।

पेरेंट कंपनी मेटा की ओर से डाउन की वजह को लेकर कोई बयान नहीं आया है। वहीं, पिछले 24 घंटों के दौरान अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, जापान, सिंगापुर और यूरोप के कई देशों जैसे- जर्मनी, फ्रांस और इटली से भी शिकायतें की गईं। डाउनडिटेक्टर.इन, वेबसाइटों और ऑनलाइन सर्विसेज के रियल टाइम में आउटेज यानी समस्याओं को ट्रैक करने वाला एक प्लेटफॉर्म है। इससे पहले 19 मार्च को भी दोनों सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को आउटेज को सामना करना पड़ा था।

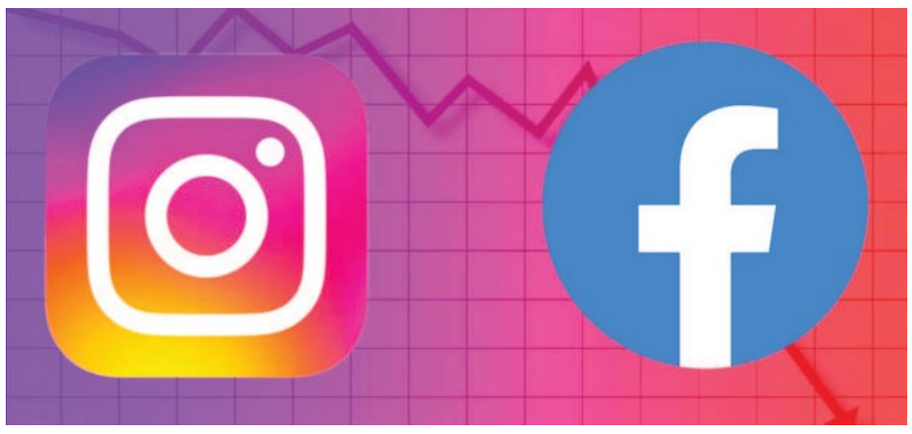

लॉग-इन करने में परेशानी हो रही

डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, दुनियाभर में फेसबुक और इंस्टाग्राम के कई यूजर्स को वेब और ऐप दोनों वर्जन पर एक्सेस करने और फीड रिफ्रेश करने में समस्याओं का सामना करना पड़ा। एक इंस्टाग्राम यूजर ने बताया कि, स्टोरीज और पोस्ट पर कमेंट्स तो दिख रहे हैं, लेकिन उन्हें खोल नहीं पा रहे। कई लोगों ने यह भी शिकायत की कि जब वे कोई कमेंट पोस्ट करते हैं, तो वह गायब हो जाता है।

वहीं, फेसबुक पर यूजर्स को लॉग-इन करने में परेशानी हो रही है। कुछ यूजर्स ने साइन आउट करने के बाद खुद को लॉक पाया। इंस्टाग्राम पर 52% लोगों को ऐप कनेक्शन के चलते दिक्कत डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, लगभग 52% लोगों को एप में समस्याएं हुईं। वहीं 24% लोगों को लॉग-इन करने में समस्याएं आईं और लगभग 25% ने बताया है कि उन्हें सर्वर कनेक्शन में दिक्कत हुई।

फेसबुक पर 78% लोगों को सर्वर कनेक्शन के चलते दिक्कत डाउनडिटेक्टर के मुताबिक, लगभग 78% लोगों को सर्वर कनेक्शन में समस्याएं आईं। वहीं 11% लोगों को लॉग-इन करने और लगभग 11त्न यूजर्स को फीड पोस्ट करने में दिक्कत हुई।

2021 में 6 घंटे बंद रहे थे फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप

4 अक्टूबर 2021 को फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप प्लेटफॉर्म करीब 6 घंटे तक पूरी दुनिया में बंद रहे थे। जिसके चलते अरबों यूजर्स को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यह समस्या रात करीब 9.15 बजे सामने आई थी। इस आउटेज का असर अमेरिकी बाजार में फेसबुक के शेयरों पर भी दिखा था। कंपनी के शेयर 6त्न तक गिर गए थे।

2019 में पहले साढ़े 9 घंटे डाउन रहे थे

3 जुलाई 2019 को रात आठ बजे भारत, अमेरिका समेत कई देशों में फेसबुक, वॉट्सएप और इंस्टाग्राम डाउन रहे। करीब साढ़े 9 घंटे डाउन रहने के बाद 4 जुलाई 2019 को इन्हें ठीक कर लिया गया है।

रिकॉर्ड तेजी के बाद टूटे सोने-चांदी के दाम

10 ग्राम स्टैंडर्ड सोने की कीमत घटकर पहुंची 89,900 रुपए

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। दुनियाभर के बाजार में अस्थिरता और शेयर बाजार में हो रहे बदलाव का असर सोने और चांदी की कीमत पर नजर आने लगा है। रिकॉर्ड तेजी के बाद मंगलवार को स्टैंडर्ड सोने और चांदी की कीमत में 400-400 रुपए की गिरावट हुई है। इसके बाद जयपुर के सर्राफा बाजार में 10 ग्राम स्टैंडर्ड सोने की कीमत घटकर 89 हजार 900 रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, चांदी प्रति किलो की कीमत घटकर एक लाख रुपए पर आ गई है।

सर्राफा व्यापारी सुशील जैन ने बताया कि फिलहाल सोने और चांदी का बाजार पूरी तरह से गड़बड़ाया हुआ है। पिछले दिनों हुई रिकॉर्ड तेजी के बाद आज सोने की कीमत में एक बार फिर गिरावट हुई है। इसकी वजह से जयपुर के सर्राफा बाजार में ग्राहकों की कमी साफ तौर पर नजर आ रही है। ऐसे में अगले कुछ दिनों तक सोने और चांदी के बाजार में यही हालत रहने की संभावना है। क्योंकि वैश्विक बाजार की अस्थिरता की वजह से कीमती धातुओं की कीमत में दिनों - दिन बदलाव हो रहा है।

लाठी माफिया-गुंडों से निपटती है, कुछ लोग देश का चीरहरण करना चाहते : योगी

उत्तर प्रदेश। सीएम योगी ने कहा, यह लाठी न केवल हमारी बहनों, बेटियों, व्यापारियों की सुरक्षा करती है, बल्कि माफिया और गुंडों से भी निपटती है। यह हमारा दबंग स्टाइल नहीं, यह हमारी शराफत का स्टाइल है। सीएम ने यह बातें हड्ड के इंटरव्यू में कही। उनसे यूपी सरकार की दबंग स्टाइल के बारे में पूछा गया था। जब योगी आदित्यनाथ से पूछा गया कि आपने दो-तीन बार कहा था कि सत्ता चली जाएगी, सत्ता त्याग देंगे। आपकी बातों से ऐसी अटकलें लगती हैं कि आप दिल्ली की ओर देख रहे हैं। इस सवाल के जवाब में योगी आदित्यनाथ मुस्कुराते हैं। योगी ने स्टैंडअप कामेडियन कुणाल कामरा के पॉलिटिकल कमेंट पर भी खुलकर बात की। मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग देश का चीरहरण करना चाहते हैं।

राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय का चतुर्दश दीक्षांत समारोह आयोजित

मानवीय मूल्यों के साथ प्रौद्योगिकी विकास के लिए आगे बढ़ें युवा : राज्यपाल

बढ़ता राजस्थान

जयपुर। राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागडे ने कहा कि वर्ष 2047 में भारत की आजादी को एक शताब्दी पूर्ण हो रही है। इस समय तक भारत सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट उपलब्धियां अर्जित करे, ऐसे हमारे प्रयास होने चाहिए। सबका साथ, सबका विकास ही हमारा ध्येय बने।

उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि विकसित भारत के संकल्प की सिद्धि में देश को और बेहतर मुकाम पर ले जाने का महती दायित्व उनके कंधों पर है। उन्होंने कहा कि वर्तमान का युग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट आफ थिंग्स और रोबोटिक्स जैसी तकनीकों का है। ऐसे में हमारी जिम्मेदारी है कि हम अपने ज्ञान का उपयोग केवल रोजगार प्राप्त करने के लिए नहीं, बल्कि नवाचार और उद्यमिता के लिए भी करें। साथ ही, मानवीय मूल्यों के साथ प्रौद्योगिकी विकास के लिए आगे बढ़ें। राज्यपाल श्री बागडे मंगलवार को राजस्थान तकनीकी विश्वविद्यालय के चतुर्दश दीक्षांत समारोह में सम्बोधित कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि भारत विज्ञान और प्रौद्योगिकी में बहुत अग्रणी रहा है। नई शिक्षा नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर आधारित है। इसमें बौद्धिक क्षमताओं के संवर्द्धन पर अधिक जोर है जिसके परिणाम लगभग 15 साल बाद परिलक्षित होंगे। यह समय ज्ञान संचार का है। केवल पाठ्यपुस्तकों को पढ़कर जीवन में सफल नहीं हो सकता। इस अवसर पर 9521 डिग्रियों, 1 कुलाधिपति एवं 1 कुलपति स्वर्ण पदक एवं सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले कुल 20 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और 36 पीएचडी डिग्री प्रदान की गई। राज्यपाल एवं कुलाधिपति ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और बौद्धिक क्षमताओं का विस्तार करते हुए भारत को विश्वगुरू के पद पर पुन:आसीन करने का आह्वान किया दीक्षान्त अतिथि के रूप में गुजरात केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रमा शंकर दुबे ने कहा कि युवाओं में देश को बदलने का सामर्थ्य है। इसके लिए वे व्यापक अन्तर्दृष्टि, प्रतिबद्धता, साहस, परिश्रम और समर्पण के साथ आगे बढ़ें। उन्होंने विद्यार्थियों को महापुरूषों से प्रेरणा लेने का आह्वान करते हुए सफलता के मंत्र भी बताए।

बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस
दैनिक, साप्ताहिक, पाक्षिक, मासिक समाचार पत्र मुद्रण के लिए संपर्क करें।

उच्च क्वालिटी का कागज एवं स्याही
कलर एवं ब्लैक मुद्रण
किफायती मुद्रण लागत

Printing Press
• Hameedpura Road Khandwa, Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
Office
• Badhata Rajasthan, Near Rajkiya Mahavidhyalaya, NH-12, Bypass Newai, Tonk, Rajasthan - 304021
(M) +91-9214048888, Phone No. - 01438-223201, 02, 03
• 185/116, "Pratiksha", Sector-18, Pratap Nagar, Sanganer, Jaipur - 302033
(M) +91-9414242258, Phone No. - 0141-2796795
Email: badhatarajasthanprintingpress@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती कमलेश विजयवर्गीय द्वारा बढ़ता राजस्थान प्रिंटिंग प्रेस,हमीदपुरा रोड खण्डवा,निवाई टोंक (राज.) से मुद्रित एवं राजकीय महाविद्यालय के पास एन एच-12,बाईपास निवाई टोंक (राज.) से प्रकाशित, संपादक-तनुजा पठान*।
प्रधान संपादक-राम बिलास विजयवर्गीय मो.नं. 9414242258, 9214048888 टोंक कार्यालय मो.नं. 9414823448 प्रधान कार्यालय :185/ 116 ''प्रतीक्षा'' सेक्टर-18, प्रताप नगर सांगानेर, जयपुर (राज.) फोन नं.0141-2796794,2796795,
E-Mail-badhatarajasthan@yahoo.com, *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर महानगर होगा)